सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 12 ● अंक 191 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार 18 अगस्त, 2026
मूल्य ₹ 3/-

किसी को सिर्फ अपने धर्म का सम्मान और दूसरों के धर्म की निंदा नहीं करनी चाहिए।
-अशोक महान

जडेजा 350 टेस्ट विकेट लेने वाले बने... 7 | दक्षिणी राज्यों में सियासी उठापटक... 3 | भाजपा आईटी हेड की जंतर-मंतर... 2

दिमागी नक्सल पर राजनीतिक दंगल

एक बयान से सियासत में छिड़ी नई वैचारिक जंग

» लाल किले से निकला शब्द अब विपक्ष की जुबान पर, बीजेपी का पलटवार तेज

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लाल किले की प्राचीर से पीएम मोदी ने एक शब्द दिमागी नक्सल फेंका। इस शब्द का मकसद शायद विपक्ष पर निशाना साधना था लेकिन सियासत में कभी-कभी गोली निशाने पर नहीं लगती और बूमरैंग बनकर वापस लौट आती है। इस शब्द के साथ भी ऐसा ही हुआ। विपक्ष ने पीएम मोदी के इस बयान को डक करने के बजाए पलटवार कर दिया है।

विपक्ष कह रहा है कि सवाल पूछना दिमागी नक्सलवाद कैसे हो सकता है? चिंदम्बरम ने इसे गर्व का विषय बताया है तो मुफ्ती महबूबा भी इसका विरोध कर रही है। गौरतलब है कि 15 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नक्सलवाद के खिलाफ अपनी बात रखते हुए हथियारबंद नक्सलवाद के साथ वैचारिक चुनौती की बात की और दिमागी नक्सलियों को पहचानकर अलग थलग करने का आह्वान किया था।

दिमागी नक्सल का बूमरैंग

15 अगस्त की शाम तक जो शब्द प्रधानमंत्री के भाषण का हिस्सा था वह 16 और 17 अगस्त आते-आते सियासी पासवर्ड बन गया। कांग्रेस ने बयान पर पलटवार करते हुए पूर्व केन्द्रीय मंत्री पी. चिदंबरम को मैदान में उतरा। उन्होंने कहा कि अगर आलोचना करना, सवाल पूछना और अपनी सोच रखना दिमागी नक्सल होना है तो उन्हें ऐसा कहलाने पर गर्व है। इसके बाद जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने भी इसी शब्द को पकड़ लिया और आर्टिक्ल 370 के समर्थन के संदर्भ में खुद को दिमागी नक्सल कह दिया। महाराष्ट्र से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) की आवाज भी इस लड़ाई में कूद गई है। पार्टी के प्रवक्ता नसीम सिद्दीकी ने आरएसएस की तुलना जैश-ए-मोहम्मद और तालिबान से करते हुए गंभीर आरोप लगाए हैं।

मोदी का दिमागी नक्सल विपक्ष ने बना दिया हथियार, लौटाकर सत्ता पर करारा वार

बीजेपी भी पीछे हटने को तैयार नहीं

दूसरी तरफ बीजेपी ने चिदंबरम के बयान को पकड़कर पलटवार तेज कर दिया है। बीजेपी प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने सवाल उठाया है कि अगर कोई दिमागी नक्सल शब्द को गर्व से स्वीकार करता है तो फिर नक्सलवाद को लेकर कांग्रेस की वास्तविक स्थिति क्या है। उन्होंने झीरम घाटी जैसी घटनाओं का संदर्भ देते हुए नक्सल हिंसा की गंभीरता पर जोर दिया। यानी सत्ता पक्ष की रणनीति साफ दिखाई देती है कि लेबल को छोड़ना नहीं है बल्कि विपक्ष से उसी लेबल की व्याख्या करवानी है। और विपक्ष की रणनीति भी उतनी ही साफ है कि लेबल से डरना नहीं है बल्कि उसे उल्टा राजनीतिक हथियार बना देना है।

बयान से बड़ा बन गया बयान का जवाब

प्रधानमंत्री का बयान एक दिन की खबर था लेकिन उसके बाद चिदंबरम का जवाब आया और फिर बीजेपी का पलटवार इसके बाद फिर महबूबा मुफ्ती फिर आप और अब शरद पवार एनसीपी यानी एक बयान की राजनीतिक उम्र बढ़ती जा रही है और हर नया बयान पुराने बयान को और बड़ा बना रहा है। इसे ही राजनीति का बूमरैंग इफेक्ट कहा जा सकता है तो क्या दिमागी नक्सल का नया नैरेटिव बनेगा? या फिर विपक्ष इसे डराने वाला लेबल बनाकर सत्ता के खिलाफ इस्तेमाल करेगा यही असली लड़ाई है। क्योंकि 27 से पहले राजनीति पहले ही नैरेटिव की लड़ाई में बदल चुकी है। एक तरफ राष्ट्रवाद सुरक्षा और नक्सलवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई का नैरेटिव है तो दूसरी तरफ लोकतंत्र असहमति और सवाल पूछने के अधिकार का नैरेटिव। और दिमागी नक्सल शब्द इन दोनों नैरेटिव को एक ही मंच पर ला खड़ा करता है। इसलिए यह सिर्फ बयान नहीं है यह अगले कई महीनों की राजनीतिक शब्दावली का हिस्सा बन सकता है।

अब महाराष्ट्र से आया सबसे तीखा वार

एनसीपी शदर पवार प्रवक्ता नसीम सिद्दीकी ने आरएसएस को लेकर बेहद गंभीर टिप्पणी की है। उन्होंने आरएसएस की तुलना जैश-ए-मोहम्मद और तालिबान से करते हुए आरोप लगाया कि कुछ संगठनों की विचारधारा समाज को जोड़ने के बजाय विभाजन और हिंसा की ओर ले जाती है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि आज भी कुछ लोग गांधीजी के हत्यारे का महिमामंडन करते हैं। यह आरोप अपने आप में गंभीर हैं और इनके जवाब में बीजेपी/आरएसएस की प्रतिक्रिया आना स्वाभाविक है। लेकिन राजनीतिक दृष्टि से इस बयान का महत्व इससे भी बड़ा है। क्योंकि अब दिमागी नक्सल की बहस एकतरफा आरोप से निकलकर वैचारिक आरोप प्रत्यारोप के खुले मैदान में पहुंच गई है। एक तरफ नक्सलवाद का लेबल। दूसरी तरफ संघ पर वैचारिक चरमपंथ के आरोप। बीच में कांग्रेस, एनसीपी आप और दूसरे राजनीतिक दल और ऊपर से सोशल मीडिया। यानी एक ऐसा मुद्दा तैयार हो चुका है जिसे अगले कई दिनों तक दोनों खेमे अपने-अपने नैरेटिव के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं।

एक शब्द... कई जवाब

प्रधानमंत्री के बयान के बाद विपक्षी नेताओं की प्रतिक्रियाएं लगातार सामने आ रही हैं। चिदंबरम के बाद महबूबा मुफ्ती की प्रतिक्रिया ने विवाद को कांग्रेस से बाहर जम्मू-कश्मीर की राजनीति तक पहुंचा दिया। एनसीपी के बयान के बाद इस बयान की तपिश की जद में महाराष्ट्र भी शामिल हो चुका है। आप की तरफ से भी प्रधानमंत्री के बयान पर पलटवार करते हुए खुद को दिमागी नक्सल कहने की बात कही जा चुकी है। यानी जिस शब्द को प्रधानमंत्री ने वैचारिक खतरे के रूप में पेश किया था विपक्ष का एक हिस्सा उसे राजनीतिक तंज और प्रतिरोध के प्रतीक में बदलता दिखाई दे रहा है। यही वजह है कि विवाद अब ठंडा होने के बजाय फैलता जा रहा है।

विपक्ष को एकजुट करता दिमागी नक्सल

कहानी अब सिर्फ मोदी बनाम चिदंबरम नहीं रही कहानी यह है कि क्या दिमागी नक्सल का शब्द विपक्ष को डराने के बजाय उसे एकजुट करने लगा है। क्या जिस शब्द को राजनीतिक हथियार बनाकर इस्तेमाल किया गया था विपक्ष उसी हथियार को उलटकर सत्ता पर चला रहा है। और सबसे बड़ा सवाल क्या 2026 की राजनीति में अब बहस मुद्दों पर नहीं लेबलों पर लड़ी जाएगी? आप हमें दिमागी नक्सल कहिए हम कहेंगे हां हैं। आप एक नाम देंगे वह नाम अगले दिन राजनीतिक पहचान बन जाएगा। यही इस विवाद का सबसे खतरनाक और सबसे दिलचस्प मोड़ है। क्योंकि राजनीति में किसी विरोधी को बदनाम करने के लिए दिया गया नाम जब विरोधी गर्व से अपनाने लगे तो समझिए कहानी पलट चुकी है। और दिमागी नक्सल की कहानी शायद अब उसी मोड़ पर खड़ी है।

भाजपा आईटी हेड की जंतर-मंतर पर सही से झूठ नहीं परोसने के कारण छुटी : फखरुल हसन

» सपा ने अमित मालवीय पर सीधा निशाना साधा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बीजेपी आईटी सेल के हेड अमित मालवीय को हटाने को लेकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता फखरुल हसन चांद ने तीखा तंज कसा है। सपा प्रवक्ता ने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर लिखा, झूठ का प्रचार प्रसार करने वाले अमित मालवीय की छुट्टी भाजपा से हो गई है। ऐसा लगता है दिल्ली जंतर मंतर पर सही से झूठ नहीं परोसने के कारण छुटी हो गई है।

सपा प्रवक्ता ने एक तरह से अमित मालवीय पर सीधा निशाना साधा है, उनका सीधा आरोप है कि बीजेपी आईटी सेल के हेड झूठ फैलाते हैं। यही नहीं कई बार विपक्ष ने अमित मालवीय को सोशल मीडिया पर झूठ के लिए जिम्मेदार ठहराया है। नये बनाए गए

आइटी हेड दीपक मूलरूप से छत्तीसगढ़ से हैं और केमिस्ट्री के प्रोफेसर रहे हैं और पार्टी संगठन के काम करने का भी अनुभव उनके पास है। उन्हें चुनावी डेटा और राजनीतिक रणनीति में विशेषज्ञता हासिल है। इसलिए अब नई राष्ट्रीय टीम में उनकी भूमिका काफी अहम मानी जा रही है। लेकिन अमित मालवीय को जिस तरह हटाकर उन्हें लाया गया है, इसको लेकर सवाल उठ रहे हैं।

डिंपल यादव पूरे देश की मां हैं और ममता का प्रतीक हैं : फहीम इरफान

बिलारी से समाजवादी पार्टी के विधायक मोहम्मद फहीम इरफान का एक बयान इन दिनों चर्चा में बना हुआ है। कावड़ यात्रा के दौरान कांवड़ियों के स्वागत के मौके पर विधायक मोहम्मद फहीम इरफान ने सपा सांसद डिंपल यादव को लेकर एक बयान दिया है। उन्होंने एक शिवभक्त के कांवड़ पर डिंपल यादव और अखिलेश की फोटो लगी होने के दौरान कहा कि डिंपल यादव पूरे देश की मां हैं और वह ममता का प्रतीक है। इस बयान का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद जहां सपा समर्थ इसे विधायक की भावनात्मक टिप्पणी बता रहे हैं, तो वहीं कुछ लोग इसे बेतुका बयान बताकर सवाल भी उठा रहे हैं। इस दौरान

विधायक से बात करते हुए कांवड़िये ने कहा कि उसने 27 में अखिलेश यादव की सरकार बनाने की मन्नत मांगी है। कावड़ में 31 लीटर गंगा जल था। विधायक ने उसका स्वागत किया। विधायक फहीम इरफान ने कहा कि कांवड़िये का भगवान शिव और अखिलेश के प्रति मोहब्बत देखने लायक है। इसके बाद विधायक ने कावड़ पर लगी तस्वीर का जिक्र करते हुए कहा की एक तरफ डिंपल यादव है जो इस पूरे देश की मां और ममता का प्रतीक है।

भाजपा प्रभारी बने विनोद तावड़े की राह नहीं आसान

» यूपी की राह कांटों भरी सपा व कांग्रेस का करना होगा मुकाबला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। 2027 यूपी चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी ने तैयारी शुरू कर दी है। पार्टी ने प्रभारी की नियुक्ति कर दी है। आगामी चुनाव के लिए राज्यसभा सांसद और राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े यूपी की जिम्मेदारी संभालेंगे।

तावड़े के साथ सह प्रभारी की जिम्मेदारी राष्ट्रीय मंत्री जगदीश ईश्वरभाई पटेल को दी गई है। इन नियुक्तियों के बाद यह स्पष्ट हो गया है कि बीजेपी ने वर्ष 27 के चुनाव की तैयारियों को और रफ्तार दे दी है, तावड़े इससे पहले बिहार,

हरियाणा में भी जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। विनोद तावड़े और जगदीश के सामने यूपी में विधानसभा चुनाव को लेकर कई मोर्चों पर चुनौतियां हैं। उन पर न सिर्फ साल-22 के चुनाव के मुकाबले राज्य में बीजेपी का चुनाव परिणाम को और बेहतर करने का जिम्मा होगा बल्कि विपक्षियों के दांव पेंच को भी साथ में निपटाना होगा। उन्हें चुनौती का समाना करना होगा। वर्ष 22 के बाद साल 24 में हुए लोकसभा चुनावों में भी भारतीय जनता पार्टी सपा और कांग्रेस के इंडिया अलायंस से पिछड़ गई थी। उस चुनाव के बाद संगठन और सरकार में समन्वय को लेकर भी कई ऐसे बयान सामने आए थे जिन्होंने यह संकेत दिए कि सब कुछ ठीक नहीं है। ऐसे में तावड़े और जगदीश को संगठन और सरकार में जारी समन्वय को भी और बेहतर करना होगा। तावड़े के सामने बीजेपी नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन यानी एनडीए के सहयोगियों को भी साथ रखना चुनौती होगी। यूं तो अभी तक किसी ने कोई ऐसी बात नहीं कही है जो चुनाव में गठबंधन को नुकसान पहुंचा सके लेकिन क्षेत्रीय दलों की विभिन्न आकांक्षाओं को हाईकमान तक सही तरीके से रखना और उनका निराकरण कराना भी उनकी प्राथमिकताओं में से होगा।

पूर्वी यूपी में भी आकाश करेंगे दौरे

» बसपा को मजबूती देने की तैयारी

» सितंबर में होंगी जनसभाएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आने वाले समय बसपा के राष्ट्रीय संयोजक आकाश अब पूर्वांचल में पार्टी को मजबूत करने के काम में जुटेंगे। पश्चिमी उप्र **के बाद पूर्वांचल में उनकी सितंबर माह में जनसभाएं प्रस्तावित हैं। बसपा प्रमुख मायावती ने आकाश की 25 अगस्त को नोएडा के जेवर में जनसभा करन को कहा है।**

विधानसभा चुनाव से पहले मायावती की मंडलीय रैलियों से पूर्व आकाश वोट बैंक मजबूत करेंगे। बसपा सुप्रीमो आकाश को मैदान में उतारेंगी ताकि जेन जी को आकर्षित किया जा सके। इससे पार्टी के

कोर वोट बैंक को विपक्ष के पाले में जाने से बचाया जा सकेगा। पूर्वांचल के जिलों से आकाश की जनसभाओं की लगातार मांग हो रही है। बसपा ने वर्ष 19 के लोकसभा चुनाव में पूर्वांचल में चार सीटों पर जीत हासिल की थी। इनमें आजमगढ़ की लालगंज से संगीता आजाद और गाजीपुर से अफजाल अंसारी सांसद बने थे। घोसी से अतुल राय और जौनपुर से श्याम सिंह यादव भी जीतकर सांसद बने थे। पश्चिमी उप्र में भी चार सांसद बने थे।

दिल्ली को सीएम फडणवीस की जरूरत : संजय राउत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। संजय राउत ने व्यंग्यात्मक ढंग से कहा कि दिल्ली को फडणवीस की जरूरत है, यह संकेत देते हुए कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को केंद्र सरकार में शामिल करने के लिए दिल्ली बुलाया जा सकता है।

राउत ने इसे प्रधानमंत्री मोदी द्वारा संभावित कैबिनेट फेरबदल का ट्रायल बैलून बताया, जिससे फडणवीस के राजनीतिक भविष्य को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं।

शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने मंगलवार को संकेत दिया कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को केंद्र सरकार में काम करने के लिए दिल्ली बुलाया जा सकता है। राउत ने कहा कि दिल्ली को देवेंद्र फडणवीस की जरूरत है, और सुझाव दिया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कैबिनेट में संभावित फेरबदल के तहत उनसे सलाह-मशविरा कर रहे होंगे।

अध्यक्ष के रूप में अजय राय के तीन वर्ष पूरे

» कांग्रेसजनों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उप्र कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय के प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद पर सफलतापूर्वक तीन वर्ष पूर्ण होने पर प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में मौजूद कांग्रेसजनों ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशियां मनायी और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता डॉ. उमा शंकर पाण्डेय ने बताया कि उत्साह से लबरेज कांग्रेसजनों ने कहा कि अजय राय के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी का उत्तर प्रदेश

में लगातार संगठन मजबूत हुआ है और आम जनता के मुद्दों पर पार्टी पूरी ताकत के साथ लड़ती रही, जिसका परिणाम आज पूरे प्रदेश में दिख रहा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के नेतृत्व में श्रीराम मंदिर में चंदा एवं चढ़ावा चोरी का मामला हो, प्रदेश के सभी 75 जनपदों में किसी भी तहसील या ब्लाक के कहीं भी आम नागरिकों के प्रति अत्याचार या अपराध हुए हर जगह वह स्वयं पहुंचकर पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए प्रदेश सरकार के विरूद्ध पूरी ताकत के साथ खड़े रहे।

जहां कहीं भी दु:खद घटनाएं हुईं, योगी सरकार की पुलिस द्वारा रोके जाने के बावजूद भी मौके पर पहुंचकर पीड़ितों के दु:ख-दर्द को बांटने का काम किया है। यहां तक कि पीड़ितों के यहां दु:ख दर्द बांटने के लिए जाते समय मुकदमे भी दर्ज हुए हैं। पेपर लीक के मामले में प्रदेश में छात्रों, युवाओं की आवाज उठाने में अग्रणीय भूमिका निभाई। इतना ही नहीं चाहे वह किसानों की समस्या हो, महिला उत्पीड़न हो, व्यापारियों की समस्या हो।

दक्षिणी राज्यों में सियासी उठापटक जारी

» तमिलनाडु में विजय सरकार के सौ दिन पूरे होने पर डीएमके का हमला, कर्नाटक सरकार पर टीवीके का प्रहार

» तेलंगाना के सीएम रेवंत ने बीआरएस पर साधा निशाना

» केरलम में छात्रों पर बयान से मचा घमासान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। दक्षिणी राज्यों सियासी उठापटक जारी है। जहां तमिलनाडु में टीवीके सरकार के सौ दिन पूरे होने पर डीएमके ने उस पर कानून व्यवस्था को निशाना साधा है। वहीं कर्नाटक में तमिलों की हत्या पर सीएम विजय ने कर्नाटक सरकार को घेरा है। इस बीच केरल व तेलंगाना में विपक्षी दलों के बयान पर बवाल मचा हुआ है। उयनिधि स्टालिन ने मुख्यमंत्री विजय सरकार पर ड्रग्स के खिलाफ महज दिखावा करने का आरोप लगाया है, जबकि तमिलनाडु में ड्रग्स से जुड़ी जानकारी देने वाले युवाओं की हत्याएं हो रही हैं। उन्होंने कोयंबटूर के अमूधन और चेन्नई के धनुष की हत्याओं का हवाला देते हुए कहा कि ये घटनाएं राज्य की लचर कानून-व्यवस्था और बेकाबू ड्रग्स समस्या का प्रमाण हैं, जो सरकार की अक्षमता पर सवाल उठाती हैं।

तमिलनाडु विधानसभा में विपक्ष के नेता उदयनिधि स्टालिन ने सोमवार को राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर सरकार की आलोचना की और आरोप लगाया कि हाल ही में राज्य में हुई हिंसा की कई घटनाओं के पीछे ड्रग्स की समस्या है। यह बात मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय के कार्यकाल के सौ दिन पूरे होने पर कही गई। तमिलनाडु विधानसभा में बोलते हुए, स्टालिन ने कोयंबटूर में 19 साल के अमूधन की हत्या का मुद्दा उठाया और कहा कि इस घटना को गैंगवार के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए। उधर केरलम के त्रिशूर में एक निजी स्कूल के चेयरमैन राजू डेविस ने स्वतंत्रता दिवस समारोह में शामिल न होने वाले छात्रों को पाकिस्तान चले जाओ कहने पर सार्वजनिक रूप से माफी मांगी है। वहीं तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने बीआरएस पर राज्य में सूखा लाने के लिए अघोरी अनुष्ठान और तंत्र-मंत्र करने का आरोप लगाया है।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने कावेरी वन्यजीव अभयारण्य क्षेत्र में कर्नाटक वन विभाग की गोलीबारी में तीन तमिल नागरिकों के मारे जाने पर कड़ा विरोध दर्ज कराया है। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए इस घटना को पीड़ादायक बताते हुए उच्च स्तरीय समिति से निष्पक्ष जांच और पीड़ित परिवारों को उचित मुआवजा देने की मांग की। इस बीच कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने मामले में मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दिए जाने की बात कही है।

सीएम विजय ने तीन तमिलों की हत्या की निंदा की, निष्पक्ष जांच की मांग की

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने कर्नाटक वन विभाग की गोलीबारी में तीन 'तमिलों' के मारे जाने की घटना की कड़ी निंदा की और कहा कि इस घटना पर विभाग की ओर से दी गई सफाई 'स्वीकार्य नहीं' है। वन विभाग की गोलीबारी की घटना की उच्च-स्तरीय जांच की मांग करते हुए मुख्यमंत्री ने इसे बेहद 'पीड़ादायक' बताया और कहा कि कर्नाटक के चामराजनगर जिले के हनूर तालुक के गांवों में रहने वाले तमिलों - एंथनी सैमी, जॉन रोज पीटर और कुमार को 15 अगस्त की सुबह कावेरी वन्यजीव अभयारण्य इलाके में वन विभाग के कर्मियों ने गोली मार दी थी। मुख्यमंत्री ने रविवार देर रात सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, 'मैं इस निर्मम हत्या की कड़ी निंदा करता हूं। इस घटना के बारे में कर्नाटक वन विभाग ने जो सफाई दी है, वह स्वीकार्य नहीं है। इस जघन्य घटना की जांच एक उच्च-स्तरीय समिति से निष्पक्ष रूप से कराई जानी चाहिए।' उन्होंने मांग की कि दोषियों को उचित सजा दी जाए और पड़ोसी राज्य पीड़ितों के परिवारों को आवश्यक मुआवजा दे। विजय ने कहा, 'मैं कर्नाटक सरकार से आग्रह करता हूं कि कर्नाटक सरकार उचित कदम उठाए ताकि ऐसी घटनाएं दोबारा नहीं हों। तमिल मूल के तीन लोगों की हत्या पर हैरानी जताते हुए द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) अध्यक्ष एम. के. स्टालिन ने इसे क्रूर और अमानवीय कृत्य करार दिया तथा तमिलनाडु सरकार से मेकेदातु बांध के मुद्दे की तरह इस मामले में भी 'चुप नहीं रहने' का आग्रह किया। यह घातक घटना शनिवार तड़के कावेरी वन्यजीव अभयारण्य के शग्या रेंज के घने वन क्षेत्र में हुई। वनकर्मियों को संदिग्ध शिकार की गतिविधि की सूचना मिली थी जिसके बाद उनका सामना चार लोगों से हुआ। इनमें से एक व्यक्ति मौके से फरार हो गया। अधिकारियों ने बताया कि मारे गए लोगों में से एक की पत्नी की औपचारिक शिकायत के बाद हनूर पुलिस ने घटना में शामिल वन अधिकारियों के खिलाफ हत्या की सजा से संबंधित भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) के तहत प्राथमिकी दर्ज की।

केरलम में विवाद बढ़ने के बाद स्कूल चेयरमैन ने मांगी माफी

केरलम के त्रिशूर में एक निजी स्कूल के चेयरमैन के पाकिस्तान भेज देने वाले बयान पर मचे भारी बवाल के बाद अब उन्होंने सार्वजनिक रूप से माफी मांग ली है। स्वतंत्रता दिवस समारोह में शामिल न होने वाले छात्रों के खिलाफ दिए गए इस विवादित बयान पर लोगों के आपत्ति के बाद चेयरमैन को बैकफुट पर आना पड़ा। कई लोगों ने आपत्ति जताई थी कि छात्रों को समझाने के लिए वे बेहतर शब्दों का इस्तेमाल कर सकते थे। त्रिशूर जिले के माला कस्बे में स्थित राजू डेविस इंटरनेशनल स्कूल के चेयरमैन राजू डेविस ने अपनी सफाई में कहा कि यदि उनके शब्दों से किसी को ठेस पहुंची है, तो उन्हें इसका खेद है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका इरादा कभी भी किसी का अपमान करना नहीं था। डेविस ने कहा कि वह केवल इतना चाहते थे कि सभी लोग एकजुट होकर आगे बढ़ें। यह विवाद तब शुरू हुआ जब राजू डेविस द्वारा अभिभावकों के एक व्हाट्सएप ग्रुप में भेजा गया संदेश सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। दरअसल, स्कूल प्रशासन ने सभी छात्रों से स्वतंत्रता दिवस समारोह में भाग लेने के लिए कहा था। लेकिन कुछ छात्र अपने व्यक्तिगत कारणों और अन्य जरूरी कार्यों का हवाला देते हुए इस कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सके थे। अपने संदेश में डेविस ने समारोह से दूर रहने वाले छात्रों को राष्ट्र-विरोधी करार दिया और कहा कि जो छात्र घर पर रुके हैं, उन्हें पाकिस्तान चले जाना चाहिए। उन्होंने यह भी चेतावनी दी थी कि जिन छात्रों ने इस कार्यक्रम में हिस्सा नहीं लिया है, उन्हें कक्षाओं में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

सीएम रेवंत रेड्डी बोले- बीआरएस वाले चाहते हैं लोग मरें

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने बीआरएस नेतृत्व पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि पूर्व मंत्री टी. हरीश राव और उनके सहयोगियों ने तेलंगाना के लिए मुश्किलें पैदा करने की कोशिश में पड़ोसी राज्यों में अघोरी अनुष्ठान और तंत्र-मंत्र का सहारा लिया।

मुलुगु जिले में एक जनसभा के दौरान लगाए गए इन आरोपों पर हरीश राव ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने इन आरोपों को बेबुनियाद बताया और मुख्यमंत्री पर शासन से जुड़े मुद्दों से ध्यान भटकाने का आरोप लगाया। रविवार को तेलंगाना के मुलुगु जिले में एक जनसभा को संबोधित करते हुए रेवंत रेड्डी ने दावा किया कि विपक्ष से जुड़ा एक भतीजा तमिलनाडु और कर्नाटक गया था ताकि अघोर अनुष्ठान और काला जादू कर सके। इसका कथित मकसद तेलंगाना में सूखा पैदा करना था। मुख्यमंत्री के अनुसार, इन कोशिशों का मकसद यह पक्का करना था कि बारिश न हो और लोग परेशान हों। उन्होंने आरोप लगाया, वे चाहते थे कि बारिश न हो और लोग तकलीफ झेलें। हो सकता है कि वे यह भी चाहते हों कि लोगों की मौत हो जाए। रेवंत रेड्डी ने आगे कहा कि कुछ राजनीतिक विरोधियों ने राज्य के बाहर कुछ अनुष्ठान किए थे, इस उम्मीद में कि तेलंगाना में सूखे और लोगों की परेशानी के हालात बनेंगे और सरकार की छवि खराब होगी।

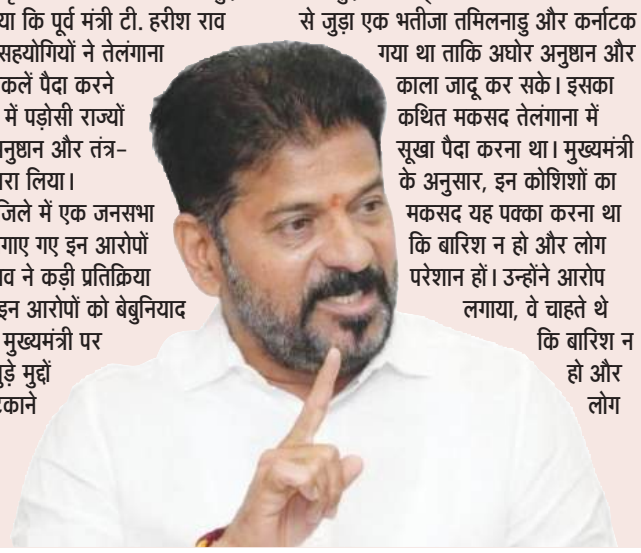

रेवंत रेड्डी ने कहा, कुछ लोग कर्नाटक और तमिलनाडु गए और अघोर पूजा की, जिसमें उन्होंने कामना की कि सूखा पड़े, लोग मरें और सरकार की बदनामी हो। ऐसे बुरे लोग भी हैं। भले ही उन्होंने अघोर पूजा की लेकिन भगवान उनके साथ नहीं हैं। भगवान हमारे साथ हैं, क्योंकि हमारा संकल्प नेक है। हरीश राव ने इन आरोपों का कड़ा खंडन किया और मुख्यमंत्री पर जनता की चिंताओं को दूर करने के बजाय व्यक्तिगत हमले करने का आरोप लगाया। हरीश राव ने कहा, मैं व्यक्तिगत हमलों या सस्ती राजनीतिक बयानबाजी से डरने वाला नहीं हूं। मैं किसानों, छात्रों और तेलंगाना की जनता की ओर से सरकार से सवाल पूछता रहूंगा।

राव ने आगे कहा कि उनका ध्यान समाज के विभिन्न वर्गों को प्रभावित करने वाले मुद्दों को उठाने और सरकार को जवाबदेह ठहराने पर बना रहेगा। पूर्व मंत्री ने यह भी चेतावनी दी कि अगर उन पर झूठे आरोप लगाकर निशाना बनाया गया तो वे कानूनी रास्ता अपनाएंगे। उन्होंने आगे कहा, अगर मुझ पर झूठे आरोप लगाए जाते हैं, तो मैं उचित कानूनी कार्रवाई करूंगा और अदालतों के जरिए जवाबदेही तय कराऊंगा। इससे पहले हरीश राव ने उन्हें तंत्र-मंत्र या जादू-टोने जैसी गतिविधियों से जोड़ने वाली टिप्पणियों को लेकर तेलंगाना कांग्रेस अध्यक्ष महेश कुमार गौड़, एमएलसी अडंकी दयाकर और कांग्रेस प्रवक्ता सामा राममोहन रेड्डी को कानूनी नोटिस भेजे थे।

अमूधन की बेरहमी से हत्या गैंग वॉर नहीं, बल्कि हत्या है : उदयनिधि

उदयनिधि स्टालिन ने कहा कि कोयंबटूर में 19 साल के अमूधन की बेरहमी से हत्या कर दी गई। यह गैंग वॉर नहीं, बल्कि हत्या है। वह एससी समुदाय से थे। उन्होंने आरोप लगाया कि ड्रग्स से जुड़ी गतिविधियों की जानकारी देने के बाद अमूधन की हत्या कर दी गई और कहा कि उसके माता-पिता ने भी यही आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि ड्रग्स ज़ब्त किए जाने चाहिए थे। अमूधन की मौत की मुख्य वजह ड्रग्स ही हैं। उसके माता-पिता ने मुझसे बात की उन्होंने कहा कि अमूधन की हत्या इसलिए की गई क्योंकि उसने ड्रग्स की समस्या के बारे में जानकारी दी थी। स्टालिन ने आगे कहा कि अपनी पार्टी के नेता के आदेश पर, कल्लाकुरिची जिला पार्टी यूनिट ने इस मामले में न्याय की मांग करते हुए एक प्रदर्शन आयोजित किया था। उन्होंने कहा कि हमारे नेता के आदेश पर, हमने कल्लाकुरिची में एक बड़ा प्रदर्शन किया। हम इसे सिर्फएक और हत्या मानकर नजरअंदाज नहीं कर सकते; हमें दोषियों को सजा दिलानी होगी। उन्होंने चेन्नई के तिरुवोट्टियूर में 12वीं कक्षा के छात्र धनुष की हत्या का भी जिक्र किया और आरोप लगाया कि छात्र ने ड्रग्स बेचने वाले एक गिरोह से सवाल किया था। स्टालिन ने कहा कि कोयंबटूर की तरह ही चेन्नई में भी 12वीं कक्षा के छात्र धनुष की बेरहमी से हत्या कर दी गई, क्योंकि उसने जानकारी दी थी। सरकार कहती है कि वह ड्रग्स के खिलाफ है, लेकिन हत्याएं हो रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि तमिलनाडु के दूसरे हिस्सों में भी ऐसी ही घटनाएं सामने आई हैं। उन्होंने कहा कि मैं ये सभी बातें सरकार के ध्यान में ला रहा हूं। ये सभी घटनाएं पिछले एक हफ्ते में हुई हैं। राज्य में सिर्फ हत्याएं ही नहीं, बल्कि यौन उत्पीड़न की कई घटनाएं भी हुई हैं।

कर्नाटक सरकार ने दिए जांच के आदेश

कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने दोहराया कि उन्होंने मजिस्ट्रेट से जांच के आदेश दिए गए हैं और भरोसा दिलाया कि सरकार मृतकों के परिजनों को मुआवजा देगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकारी जांच के दौरान गोलीबारी से जुड़ी परिस्थितियों की जानकारी पेश करेंगे जिसमें यह भी शामिल होगा कि क्या कथित अपराधियों ने आत्मरक्षा में वनकर्मियों पर गोली चलाई थी या उन्होंने खुद गोलीबारी शुरू की थी।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

पुलिस की तानाशाही पर अंकुश लगे

अभी हाल में बिहार में भरत तिवारी को पुलिस ने एनकांउटर में हत्या कर दी। वहीं मेरठ में पुलिस की वैन में बैठे एक को पुलिस के बड़े अधिकारी ने धमकी दी। इस तरह पुलिस की तानशाही पर अंकुश लगाना जरूरी है। अदालतें न हो पुलिस की बेलगामी पर अंकुश लगाना मुश्किल हो जाता है। पुलिस कस्टडी में मौत के मामले दिन पर दिन बढ़ते जा रहे हैं। इसी बीच देश के न्यायालयों ने एक बार फिर पुलिस का वीभत्स चेहरा उजागर कर दिया है। आम लोगों की सुरक्षा के गठित किया गया पुलिस तंत्र किस कदर तानाशाह बन गया है, अदालतों के फैसलों ने इसे बेनकाब किया है। मदुरै की एक अदालत ने सातानुकुलम पुलिस स्टेशन में बाप-बेटे की मौत के मामले में 9 लोगों को फांसी की सजा सुनाई है। इसके अलावा सभी दोषियों पर भारी जुर्माना भी लगाया गया है। तूतीकोरिन ज़िले के सातानुकुलम के व्यापारी जयराज और उनके बेटे बेनिक्स को 19 जून 2020 को कोरोना काल के दौरान पुलिस ने हिरासत में लिया और बुरी तरह पीटा। इसके बाद 21 जून को दोनों को कोविलपट्टी जेल में रखा गया। 22 जून की रात करीब 9 बजे बेनिक्स की मौत हो गई, जबकि अगली सुबह जयराज की भी मौत हो गई।

इस मामले ने पूरे देश में बड़ा हंगामा खड़ा कर दिया। इसके बाद मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै बेंच ने खुद संज्ञान लेते हुए पुलिस से रिपोर्ट मांगी। बाद में यह मामला सीबीआई को सौंप दिया गया। इसी तरह लुधियाना जिले में करीब छह साल पहले रिकवरी एजेंट दीपक शुक्ला की थाना डिविजन नंबर 5 की पुलिस हिरासत में हुई थी। मौत के मामले में लुधियाना की अदालत ने ऐतिहासिक फैसला सुनाया। अदालत ने मामले की गंभीरता और साक्ष्यों को देखते हुए चार पुलिसकर्मियों के खिलाफ हत्या के तहत आरोप तय करने के आदेश जारी किए हैं। यह पूरा मामला फरवरी 2020 का है, जब पुलिस ने दीपक शुक्ला को वाहन चोरी के एक मामले में हिरासत में लिया था। दीपक पर चोरी का झूठा मामला दर्ज कर उसे अमानवीय यातनाएं दीं। 26 फरवरी 2020 की रात दीपक ने दम तोड़ दिया, जिसके बाद पुलिसिया तंत्र पर गंभीर सवाल खड़े हो गए थे। दीपक के परिवार ने इंसाफ के लिए एक लंबी और थका देने वाली कानूनी लड़ाई लड़ी। पंजाब के मोगा जिले में भिंदर सिंह की मौत गैरकानूनी हिरासत में रखकर यातनाएं देने से हुई थी। न्यायिक जांच में सामने आया कि भिंदर सिंह को कथित तौर पर गैरकानूनी हिरासत में रखकर यातनाएं दी गईं। इस मामले में स्थानीय अदालत ने पंजाब पुलिस के पांच कर्मियों के खिलाफ हत्या समेत अन्य गंभीर धाराओं में ट्रायल चलाने का आदेश देते हुए केस को सेशन कोर्ट में भेज दिया है।

आम लोगों की सुरक्षा के गठित किया गया पुलिस तंत्र किस कदर तानाशाह बन गया है, अदालतों के फैसलों ने इसे बेनकाब किया है। मदुरै की एक अदालत ने सातानुकुलम पुलिस स्टेशन में बाप-बेटे की मौत के मामले में 9 लोगों को फांसी की सज़ा सुनाई है। इसके अलावा सभी दोषियों पर भारी जुर्माना भी लगाया गया है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

विकास और पर्यावरण में संतुलन की जरूरत

पंकज चतुर्वेदी

पिछले कुछ वर्षों से कश्मीर घाटी और उससे जुड़े पर्वतीय क्षेत्रों में मौसम का मिजाज अत्यंत आक्रामक हो गया है। आज वह प्रकृति के रौद्र रूप और भयंकर तबाही का केंद्र बन चुका है। गत पांच वर्षों के आंकड़े इस बात के गवाह हैं कि यहां बादल फटने की घटनाओं और उनके परिणामस्वरूप आने वाली अचानक बाढ़ में बेतहाशा और खतरनाक वृद्धि हुई है। किश्तवाड़ से लेकर अमरनाथ गुफा, कुपवाड़ा, डोडा और शोपियां तक, हर वर्ष बारिश के मौसम में आने वाला सैलाब हजारों जिंदगियों को लील रहा है और करोड़ों रुपये की संपत्ति को मलबे में तब्दील कर रहा है। यह महज एक मौसमी बदलाव या संयोग नहीं है, बल्कि यह उस गंभीर और गहरे पारिस्थितिक संकट की चेतावनी है।

एक अध्ययन के अनुसार, वर्ष 2010 से 2022 के बीच पूरे जम्मू-कश्मीर क्षेत्र में चरम मौसमी घटनाओं की लगभग 2,863 से अधिक घटनाएं दर्ज की गईं, जिनमें 552 से अधिक लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी। इसके बाद के पांच वर्षों यानी 2022 से 2026 के बीच स्थिति और भी अधिक चिंताजनक हो गई है। वर्ष 2022 के दौरान लगभग 6 से 8 गंभीर और बड़ी घटनाएं दर्ज की गईं, जिनमें 8 जुलाई, 2022 को अमरनाथ गुफा के पास हुआ अत्यंत भीषण बादल फटना शामिल था, जिसमें 16 से अधिक श्रद्धालुओं की मृत्यु हो गई थी और कई लंगर शिविर मलबे में बह गए थे। इसके बाद वर्ष 23 में भी रामबन, उधमपुर और अमरनाथ यात्रा मार्ग के आसपास करीब 7 से 9 स्थानों पर बादल फटने से भारी तबाही मची और यातायात पूरी तरह ठप हो गया। वर्ष 24 में किश्तवाड़ के पर्वतीय इलाकों में लगभग 8 से 10 स्थानों पर बादल फटने और नाले उफनाने की पुष्टि हुई, जिससे छोटे जलविद्युत प्रोजेक्ट और कृषि भूमि तबाह हो गए। वर्ष 2025 इस दशक का सबसे काला और त्रासद वर्ष साबित हुआ, जब 14 अगस्त को किश्तवाड़ जिले के चिशोती यानी मचैल माता यात्रा मार्ग पर अत्यंत भीषण बादल फटने से एक ही झटके में लगभग 68 लोगों की मृत्यु हो गई और 300 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

वर्ष 2026 की बात करें, तो मानसून सीजन के शुरुआती हफ्तों में ही विभिन्न पर्वतीय और ऊंचे इलाकों में 35 से अधिक बार बादल फटने की छोटी-बड़ी घटनाएं दर्ज की जा चुकी हैं, जिनमें अब तक 31 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। कश्मीर जैसे संवेदनशील और नाजुक हिमालयी क्षेत्र में इन

घटनाओं का बार-बार और लगातार होना वैश्विक तापन (ग्लोबल वार्मिंग) और क्षेत्रीय तापमान में हो रही तेज वृद्धि से सीधे तौर पर जुड़ा हुआ है। वैश्विक तापमान लगातार बढ़ने के कारण वायुमंडल की नमी धारण करने की क्षमता में भारी बढ़ोतरी हुई है। जब बंगाल की खाड़ी या अरब सागर से उठकर आने वाली मानसूनी हवाएं ऊंचे-ऊंचे पहाड़ों से टकराती हैं, तो उन्हें अत्यधिक ऊर्जा और संघनन के लिए अनुकूल गर्म स्थितियां मिलती हैं। इसके परिणामस्वरूप, बादल अत्यधिक कम समय में बिना सामान्य रूप से आगे बढ़े एक ही स्थान पर अत्यधिक संघनित होकर अचानक फट जाते हैं। प्रकृति के इस विध्वंस के पीछे केवल जलवायु परिवर्तन का हाथ नहीं है, बल्कि पहाड़ों की संवेदनशील प्राकृतिक संरचना के साथ किया गया अनियोजित और अंधाधुंध मानवीय खिलवाड़ मुख्य रूप से जिम्मेदार हैं। पिछले कुछ दशकों में कश्मीर और संपूर्ण हिमालयी क्षेत्र में जिस प्रकार की बेलगाम विकास गतिविधियां, पर्यटन का दबाव और निर्माण कार्य चलाए गए हैं, उन्होंने इस नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र को पूरी तरह तहस-नहस कर दिया है। अंधाधुंध वनों की कटाई के कारण पहाड़ों की ऊपरी सतह को पकड़कर रखने वाली जड़ें कमजोर हो गई हैं। इसके अलावा, पहाड़ों की खड़ी ढलानों को काटकर चौड़ी सड़कें बनाना, नदियों के प्राचीन और प्राकृतिक प्रवाह के ठीक समीप भारी-भरकम कंक्रीट के बहुमंजिला ढांचे खड़े करना, और जलविद्युत परियोजनाओं तथा सुरंगों के नाम पर पहाड़ों में डायनामाइट लगाकर सुरंगों का अंतहीन जाल बिछाना पर्वतीय क्षेत्रों के संतुलन को पूरी तरह बिगाड़ रहा है।

जंगलों के तेजी से नष्ट होने और आधुनिक वाहनों के धुएं तथा अंधाधुंध कार्बन उत्सर्जन से पर्वतीय क्षेत्रों का स्थानीय तापमान मैदानी इलाकों की तुलना में बहुत तेजी से बढ़ रहा है, जिससे वहां का सूक्ष्म जलवायु चक्र पूरी तरह असंतुलित हो गया है। बादल फटने के बाद पहाड़ों की गोद से उतरने वाली अचानक बाढ़ केवल पानी का तीव्र सैलाब नहीं होती, बल्कि यह अपने साथ पहाड़ों के बड़े-बड़े बोल्डर, विशाल चट्टानें, उखड़े हुए पेड़ और टनों के हिसाब से गाद व मलबा बहाकर लाती है। यह भारी मात्रा में बहकर आने वाला मलबा नदियों और नालों के प्राकृतिक मार्गों को पूरी तरह अवरुद्ध कर देता है, जिससे जल निकासी की पारंपरिक व्यवस्था कुछ ही मिनटों में पूरी तरह ध्वस्त हो जाती है।

अभिव्यक्ति की आजादी के मायने स्वच्छंदता नहीं

डॉ. सुधीर कुमार

आज अभिव्यक्ति के जितने द्वार खुले हैं, उतने शायद कभी नहीं थे। एक ट्वीट, एक इंस्टाग्राम रील या एक डिजिटल मीम-मौजूदा वक्त में विचारों के आदान-प्रदान और अपनी बात कहने का सबसे बड़ा जरिया यही है। सदियों की गुलामी की जंजीरें काटकर जब 15 अगस्त 1947 को देश ने आजादी की पहली सांस ली, तब हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के सामने एक ही सपना था-ऐसी स्वतंत्र भूमि का निर्माण जहां हर नागरिक बिना किसी भेदभाव गरिमा के साथ जी सके। समय, काल और पीढ़ियों के बदलने के साथ स्वतंत्रता के मायने बदलते जाते हैं। आज स्वतंत्रता का यह पर्व बिल्कुल नए दौर से गुजर रहा है। इक्कीसवीं सदी की युवा पीढ़ी, जिसे हम 'जेन जी' कहते हैं, आजादी को अलग और व्यापक दृष्टिकोण से देखती है। उनके लिए स्वतंत्रता केवल राजनीतिक या ऐतिहासिक संदर्भों तक सीमित नहीं, बल्कि यह जीवन जीने के अलग तरीकों, व्यक्तिगत प्राथमिकताओं और डिजिटल अधिकारों से जुड़ी है।

आज आजादी व्यक्तिगत स्वतंत्रता, विचारों की मुक्त अभिव्यक्ति और बिना डर के अपनी आवाज उठाने का अधिकार बन चुकी है। जहां बिना रोक-टोक बात रखना इस डिजिटल पीढ़ी का सहज स्वभाव है, वहीं 'एआई' व 'डीपफेक' के इस दौर में अभिव्यक्ति की आजादी के साथ डिजिटल सुरक्षा व प्रामाणिकता की रक्षा करना सबसे बड़ी चुनौती है। यह पीढ़ी इंटरनेट व सोशल मीडिया की दुनिया में पली-बढ़ी है, जहां दुनिया का हर विचार एक क्लिक पर मुहैया है। इंस्टाग्राम, एक्स और यूट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म्स पर वे अपनी कला, बेबाक विचारों और संघर्षों को बिना किसी रुकावट दुनिया के सामने रख रहे हैं। वे अपनी पसंद और जीवन शैली को समाज के पुराने ढर्रे और दबाव से मुक्त होकर अपनी शर्तों पर जीना चाहते हैं। वे अपने निजी स्पेस व हकों की रक्षा भी सर्वोच्च प्राथमिकता मानते हैं।

हमारे संविधान निर्माताओं ने दूर-दृष्टि के साथ अनुच्छेद 19(1)(ए) को शामिल किया, जो हर नागरिक को वाक? और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता देता है। लेकिन साथ ही अनुच्छेद 19(2) के तहत कुछ न्यायसंगत प्रतिबंध भी जोड़े गए। ये प्रतिबंध देश की संप्रभुता, अखंडता, राज्य की सुरक्षा, विदेशी राज्यों के साथ मित्रतापूर्ण संबंध, सार्वजनिक व्यवस्था, शिष्टाचार, सदाचार, न्यायालय की अवमानना, मानहानि या अपराध के उकसावे के संदर्भ में लगाए जा सकते हैं। यहीं पर जेन जी की आकांक्षाओं और कानूनी सीमाओं के बीच एक सूक्ष्म बहस शुरू होती है। नई पीढ़ी चाहती है कि अभिव्यक्ति निरंकुश हो, जबकि संविधान देश की सुरक्षा व सामाजिक सौहार्द बनाए रखने के लिए नियंत्रण की बात करता है। आज की पीढ़ी में 'कैनसेल कल्चर' और 'अनियंत्रित ट्रोलिंग' का दौर भी इसी खुली अभिव्यक्ति की अति से आया, जहां विचारों की जंग अक्सर मर्यादा लांघ जाती है। अभिव्यक्ति की आजादी और व्यक्तिगत अधिकारों के बीच संतुलन को स्पष्ट करने वाले न्यायपालिका के तीन ऐतिहासिक निर्णय बेहद अहम हैं पहला, श्रेया सिंघल बनाम भारत संघ (2015), जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने आईटी एक्ट की धारा 66ए रद्द कर स्पष्ट किया कि सिर्फ अप्रिय टिप्पणियों के आधार पर गिरफ्तारी नहीं हो सकती जब तक वे हिंसक न हों।

दूसरा, के.एस. पुट्टास्वामी बनाम भारत संघ (2017), जिसके तहत निजता के अधिकार को अनु. 21 के तहत मौलिक अधिकार घोषित किया गया। तीसरा, अनुराधा भसीन बनाम भारत संघ (2020), जिसमें कोर्ट ने माना कि डिजिटल युग में इंटरनेट पर अनिश्चितकालीन रोक वाक और अभिव्यक्ति के अधिकार को प्रभावित करती है। विश्लेषण करें तो पता चलता है कि जेन जी की आजादी और हमारा संविधान दोनों एक ही लक्ष्य की ओर इशारा करते हैं एक स्वतंत्र, समावेशी और लोकतांत्रिक समाज बनाना। संविधान नागरिकों को आजादी के साथ जिम्मेदारी भी सिखाता है। समस्या तब पैदा होती है जब आजादी को 'स्वच्छंदता' मान लिया जाता है। अभिव्यक्ति का मतलब दूसरों की गरिमा को ठेस पहुंचाना, हेट स्पीच फैलाना या देश की अखंडता को चुनौती देना नहीं हो सकता। स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति के परिदृश्य को बेहतर बनाने के लिए, जेन जी को अपनी डिजिटल आजादी का उपयोग करते समय साइबर एथिक्स और दूसरों के अधिकारों का सम्मान करने के प्रति जागरूक किया जाना चाहिए। साथ ही, कानून की परिभाषाएं इतनी स्पष्ट हों कि किसी निर्दोष की आजादी को बिना किसी ठोस आधार न दबाया जाए।

नीति-नियंता युवाओं के विचार सुनने व उनके डिजिटल मंचों का आदर करने को नए मंच विकसित करें। जब जेन ज़ी अपने नए विचारों, डिजिटल क्षमताओं व निजी स्वतंत्रता के साथ आगे बढ़ रही है, तो हमें उनकी आजादी का स्वागत करना चाहिए। हमारा संविधान इतना लचीला व सशक्त है कि पुरानी परंपराओं और नई पीढ़ी की आकांक्षाओं में संतुलन बैठा सकता है। इस स्वतंत्रता दिवस पर हम सभी संकल्प लें कि हम अपनी अभिव्यक्ति की आजादी की रक्षा करेंगे, वहीं संविधान के दायरे में रहकर ऐसे सहिष्णु भारत का निर्माण करेंगे जहां हर युवा की आवाज देश की प्रगति का आधार बने। समय की मांग है कि हम संविधान की दी गई स्वतंत्रता के दायरे को आधुनिक संदर्भों में समझें।

विटामिन-डी वाली इन चीजों से संक्रामक बीमारियां रहेंगी दूर

क्यों जरूरी है विटामिन-डी

विटामिन-डी के अल्पकालिक और दीर्घकालिक कई प्रकार के स्वास्थ्य लाभ हो सकते हैं। ये इम्युनिटी को मजबूत बनाकर फ्लू सहित कई प्रकार की संक्रामक बीमारियों से बचाने के लिए तो जरूरी है ही साथ ही कैल्शियम के अवशोषण को बढ़ाकर मजबूत हड्डियों के निर्माण के लिए भी महत्वपूर्ण है। आहार में पर्याप्त कैल्शियम और विटामिन-डी की मात्रा ऑस्टियोपोरोसिस जैसी हड्डियों की गंभीर समस्याओं को रोकने में मदद करती है। सूरज की रोशनी विटामिन-डी का सबसे अच्छा स्रोत है। मानसून के दिनों में आहार में कई चीजों को शामिल करके भी इसका आसानी से पूर्ति की जा सकती है?

अंडा

मानसून के दिनों में विटामिन-डी की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए अंडे खाना विशेष लाभकारी हो सकता है। अंडे के सफेद भाग में भरपूर प्रोटीन होता है, वहीं इसकी जर्दी विटामिन-डी सहित कई अन्य प्रकार के पोषक तत्वों से भरपूर होती है। रोजाना दो-तीन अंडे शरीर के लिए जरूरी प्रोटीन, विटामिन्स और मिनरल्स का आसानी से पूर्ति करने में सहायक हैं।

नट्स और सीड्स

विटामिन-डी प्राप्त करने के लिए नट्स और सीड्स भी अच्छे स्रोत हो सकते हैं। काजू और हेजलनट्स, बादाम के सेवन से इसकी आसानी से पूर्ति की जा सकती है। काजू विटामिन-डी के सबसे अच्छे स्रोतों में से एक है। इसके अलावा चिया सीड्स, कद्दू के बीज के नियमित सेवन से भी शरीर के लिए इस पोषक तत्व की आवश्यकताओं को पूरा किया जा सकता है।

इसके अलावा बादाम में विटामिन बी, फाइबर, जिंक, कैल्शियम, मैग्नीशियम, पोटेशियम, विटामिन ई और आयरन भी भरपूर मात्रा में पाया जाता है।

फल-सब्जियां

दैनिक आहार में कई प्रकार के मौसमी फलों-सब्जियों को शामिल करना भी महत्वपूर्ण है। केला, कीवी, पपीता और संतरे जैसे फलों को शामिल करने से आपको विटामिन डी की जरूरतें पूरी करने में मदद मिल सकती है। संतरे में कैल्शियम के साथ-साथ विटामिन डी भी होता है। कई सब्जियां भी इस विटामिन से भरपूर मानी जाती हैं। शाकाहारी लोग हरी पत्तेदार सब्जियों और साग जैसे केल, पालक और कोलार्ड से विटामिन डी प्राप्त कर सकते हैं। विटामिन-डी के अलावा, ये सब्जियां विटामिन के आयरन और फाइबर की भी पूर्ति करती हैं।

शरीर को स्वस्थ रखने, रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने और कई प्रकार की बीमारियों से बचाव के लिए हमें रोजाना आहार के माध्यम से भरपूर मात्रा में पोषक तत्वों की जरूरत होती है। विटामिन-डी हमारी सेहत के लिए कई मामलों में महत्वपूर्ण है। हड्डियों को मजबूत रखने, शरीर में कैल्शियम के अवशोषण को बढ़ाने और इम्युनिटी सिस्टम की मजबूती के लिए विटामिन-डी हमारे लिए बहुत आवश्यक माना जाता है। मानसून के बाद के दिनों में विटामिन-डी वाली चीजों को आहार का हिस्सा जरूर बनाना चाहिए, इसके कई स्वास्थ्य लाभ हो सकते हैं। विटामिन की कमी के कारण आपमें कई प्रकार की संक्रामक बीमारियों के जोखिम भी हो सकता है।

हंसना मना है

टीचर- तुम पंछी के बारे में सब जानते हो? टप्पू- हां टीचर, टीचर- अच्छा ये बताओ कौन सा पंछी उड़ नहीं सकता? टप्पू- मरा हुआ पंछी, टप्पू की बात सुनकर टीचर ने उसे भरी क्लास में मुर्गा बना दिया...

80 साल की एक बुजुर्ग महिला ने कोर्ट में तलाक के लिए अर्जी लगाई। जज ने बुजुर्ग महिला से पूछा- इस उम्र में तलाक क्यों लेना चाहती हैं? महिला- जज साहब, मेरे पति मुझ पर मानसिक अत्याचार कर रहे हैं। जज- वो कैसे? महिला- इनकी जब मर्जी होती है, मुझे खरी-खोटी सुना देते हैं। और जब मैं बोलना शुरू करती हूं तो अपनी कान की मशीन निकाल लेते हैं...

पति-जज साहब मुझे अपनी बीवी से तलाक चाहिए। जज-पर क्यों? पति-जज साहब, जब से मेरी बीवी आई है। तब से कुछ भी बात नहीं कर रही है। जज-एक बार फिर सोच ले, ऐसी बीवी सिर्फ किस्मत वालों को ही नसीब होती है...

चिंटू- क्या तुम्हें जापानी भाषा पढ़नी आती है? पिंटू- हां एकदम फराटेदार आती है, बस अंग्रेजी में लिखी होनी चाहिए। पिंटू की बात सुनकर चिंटू हैरान रह गया।

कहानी | बंदर और लकड़ी का खूंटा

एक बार शहर से थोड़ी दूर में एक मंदिर बनाया जा रहा था। उस मंदिर के निर्माण में लकड़ियों का इस्तेमाल किया जा रहा था। लकड़ियों के काम के लिए शहर से कुछ मजदूर आए हुए थे। एक दिन मजदूर लकड़ी चीर रहे थे। सारे मजदूर रोज दोपहर का खाना खाने के लिए शहर जाया करते थे। उस दौरान एक घंटे तक वहां कोई भी नहीं रहता था। एक दिन दोपहर के खाने का समय हुआ, तो सभी जाने लगे। एक मजदूर ने लकड़ी आधी ही चीर थी। इसलिए, वह बीच में लकड़ी का खूंटा फंसा देता है, ताकि दोबारा चीरने के लिए आरी फंसाने में आसानी हो। उनके जाने के कुछ समय बाद बंदरों का एक समूह वहां आया। उसमें एक शरारती बंदर था, जो वहां पड़ी चीजों को उल्टा-पुल्टा करने लगा। बंदरों के सरदार ने सभी को वहां रखी चीजों को छेड़ने से मना किया। कुछ समय बाद सारे बंदर पेड़ों की तरफ वापस जाने लगे, तो वह शरारती बंदर सबसे बचकर पीछे रह जाता है और शरारत करते-करते उसकी नजर उस अधचिरे लकड़ी पर पड़ती है, खूंटे को देखकर बंदर सोचने लगा कि उस लकड़ी को वहां पर क्यों लगाया है, उसे निकालने पर क्या होगा। फिर वह उस खूंटे को बाहर निकालने के लिए खींचने लगता है। बंदर के अधिक जोर लगाने पर वह खूंटा हिलने और खिसकने लगता है, जिसे देखकर बंदर खुश होता है और जोर लगाकर उस खूंटे को सरकाने लगता है। वह खूंटे को निकालने में इतना मगन हो जाता है कि उसे पता ही नहीं चलता कि कब उसकी पूंछ दोनों पाटों के बीच में आ गई। बंदर पूरी ताकत के साथ खूंटे को खींचकर बाहर निकाल देता है। खूंटा निकलते ही लकड़ी के दोनों भाग चिपक जाते हैं और उसकी पूंछ बीच में फंस जाती है। पूंछ के फंसने पर बंदर दर्द के मारे चिल्लाने लगता है और तभी मजदूर भी वहां पहुंच जाते हैं। उन्हें देखकर बंदर भागने के लिए जोर लगाता है, तो पूंछ टूट जाती है। वह चीखते हुए टूटी पूंछ लेकर भागता हुआ अपने झुंड के पास पहुंच जाता है। वहां पहुंचते ही सभी बंदर उसकी टूटी हुई पूंछ देखकर हंसने लगते हैं।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

कार्यक्षेत्र में नए अवसर मिलेंगे। कारोबारी हैं तो निवेश के लिए अच्छा दिन है। पार्टनर के साथ अच्छा तालमेल रहेगा। कोर्ट केस का फैसला आपके पक्ष में आ सकता है।

वृषभ

नौकरी-पेशा लोगों को एकाग्रता की जरूरत है। व्यापार में नए सौदे हो सकते हैं। परिवार में भावनात्मक फैसलों से बचें। निर्णय लेने में विवेक का इस्तेमाल करें।

मिथुन

कार्यस्थल पर संवाद के बल पर काम पूरे होंगे। कारोबारियों को पुराने निवेश से लाभ संभव है। प्रॉपर्टी संबंधी सौदे टाल दें। घर में क्लेश से बचें। आय के नए स्रोत बन सकते हैं।

कर्क

सहकर्मी की मदद से जटिल प्रोजेक्ट पूरा हो सकता है। कारोबारी हैं तो आपका नेटवर्क मजबूत होगा। अपने साथी की भावनाओं का सम्मान करें। पुरानी बीमारी में आराम मिलेगा।

सिंह

कार्यस्थल पर कोई बड़ी जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। कारोबारी हैं तो यह दिन अच्छा रहेगा। दांपत्य जीवन में मधुरता रहेगी। धन संचय के प्रयास सफल होंगे।

कन्या

आपका दृष्टिकोण व्यावहारिक रहेगा। पुराने काम खत्म होंगे। कारोबारी हैं तो लाभ की संभावना है। लव पार्टनर को लेकर बहस हो सकती है। खर्चों में बढ़ोतरी हो सकती है।

तुला

कार्यस्थल पर दिन सामान्य रहेगा। साझेदारी के बिजनेस में मुनाफा होगा। शादीशुदा जीवन खुशहाल रहेगा। उधारी देने से बचें, पैसा फंस सकता है। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

वृश्चिक

नौकरी में तरक्की के योग हैं। कारोबारी है तो आपके लिए निर्णय लेने का दिन है। पार्टनर के प्रति आपका विश्वास मजबूत होगा। लंबे समय से अटका हुआ पैसा मिलेगा।

धनु

आपके काम की तारीफ होगी। मान-सम्मान बढ़ेगा। कारोबारी हैं तो लंबे समय के निवेश के लिए दिन उत्तम है। पार्टनर के साथ कोई धार्मिक यात्रा हो सकती है।

मकर

नौकरी में मेहनत ज्यादा और परिणाम थोड़े कम मिल सकते हैं। कारोबारी हैं तो विदेश से शुभ समाचार मिल सकता है। थकान और कमजोरी हो सकती है।

कुम्भ

कार्यस्थल पर सहकर्मियों से विवाद न करें। नए व्यावसायिक संबंधों से भविष्य में लाभ होगा। प्रेम संबंधों में नयापन आएगा। आय के योग सामान्य से बेहतर हैं।

मीन

कार्यस्थल पर अपनी योजनाओं को गुप्त रखें। पार्टनरशिप में पारदर्शिता रखें, बड़ा मुनाफा संभव है। जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। रुका हुआ धन मिलने की संभावना है।

प्रोसित रॉय की आगामी फिल्म में हुई लक्ष्य की इंट्री

किल, चांद मेरा दिल और बैड्स ऑफ बॉलीवुड जैसे प्रोजेक्ट्स में नजर आ चुके लक्ष्य इन दिनों अपनी आगामी फिल्म को लेकर सुर्खियों में हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक लक्ष्य राख फेम निर्देशक प्रोसित रॉय की फिल्म में नजर आएंगे। इस फिल्म में उनकी एंट्री हो गई है। यह रोमांटिक लव स्टोरी फिल्म बताई जा रही है, जो साइकोलॉजिकल थ्रिलर होगी।

पिंकविला की रिपोर्ट के मुताबिक, करण जौहर ने राख के डायरेक्टर प्रोसित रॉय को एक अनोखी साइकोलॉजिकल लव स्टोरी डायरेक्ट करने के लिए साइन किया है। इस फिल्म की शूटिंग 2026 में शुरू होने वाली है। इसी में एक नया अपडेट यह है कि फिल्म में एक्टर लक्ष्य की एंट्री हो गई है।

सूत्रों के मुताबिक, प्रोसित रॉय अपनी अगली फिल्म के लिए लक्ष्य के साथ काम करने जा रहे हैं। पिंकविला के सूत्र ने बताया, लक्ष्य, प्रोसित रॉय के साथ काम करने को लेकर उत्साहित हैं। यह फिल्म एक लव स्टोरी है, जिसमें साइकोलॉजिकल ट्विस्ट है।

ऐसी फिल्म पहले कभी नहीं बनी है। लक्ष्य और प्रोसित रॉय, दोनों ही इसके लिए उत्साहित हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक प्रोसित ने हाल ही में लक्ष्य को फिल्म की कहानी सुनाई और एक्टर को रोमांस का यह अनोखा अंदाज बहुत पसंद आया। लक्ष्य ने किल में अपनी दमदार अदाकारी के लिए खूब तारीफें बटोरीं। लक्ष्य अब प्रोसित रॉय की अगली फिल्म के साथ एक और अलग तरह के जॉनर को आजमाना चाहते हैं। फिल्म किल में लक्ष्य जबर्दस्त एक्शन करते हुए नजर आए थे। वहीं यह फिल्म उन्हें बिल्कुल अलग अवतार में पेश करती है।

प्रोसित रॉय की इस फिल्म को लव स्टोरी के साथ-साथ साइकोलॉजिकल एलिमेंट्स इसे एक खास प्रोजेक्ट बनाते हैं। इस फिल्म की शूटिंग दिसंबर 2026 तक शुरू होने की उम्मीद है।

बॉलीवुड | मन की बात

अब लोगों की नजरों में निर्दोष साबित होना चाहती हूं: रिया

रिया चक्रवर्ती द ट्रेटर्स सीजन 2' का हिस्सा हैं। इस शो में एक बातचीत के दौरान रिया ने अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद अपने ऊपर हुई जांच-पड़ताल के बारे में बात की है। शो द ट्रेटर्स 2\ में अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती ने कहा कि कई साल तक शक के दायरे में रहने के बाद अब वह लोगों के नजरिए में निर्दोष साबित होना चाहती हैं। रिया ने कहा ,मैं कई साल तक संदेह के घेरे में रहने के बाद खुद को निर्दोष साबित करना चाहती हूं। कई साल मैंने लोगों के शक में रहकर गुजारे हैं। मैं अब इसे खत्म करना चाहती हूं। मुझे इस साल क्लीन चिट मिल चुकी है। मैं चाहती हूं कि सब मुझे बेगुनाह समझें।अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत का निधन 2020 में हुआ था। रिया चक्रवर्ती उनकी गर्लफ्रेंड थीं। एक्टर की मौत के बाद रिया का जीवन पूरी तरह बदल गया। रिया को जेल जाना पड़ा और उन्हें सामाजिक बहिष्कार का भी सामना करना पड़ा। सुशांत से जुड़े एक ड्रग्स मामले में रिया और उनके भाई शोविक चक्रवर्ती को नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (सीबीआई) ने गिरफ्तार भी किया था। मगर इस साल सीबीआई ने इस मामले में क्लोजर रिपोर्ट दाखिल कर रिया को सभी आरोपों से बरी कर दिया। द ट्रेटर्स की कहानी दो ग्रुप्स के इर्द-गिर्द घूमती है। इस ग्रुप में इनोसेंट्स को मिलकर छिपे हुए गद्दारों की पहचान करनी होगी और उन्हें प्रतियोगिता से बाहर होने से पहले ही खत्म करना होगा। वहीं, गद्दार अपनी पहचान छिपाते हुए चुपके से दूसरों के खिलाफ साजिश रचते हैं।

एकता कपूर के नये शो में नजर आएगी गौरव खन्ना और श्रद्धा आर्या की जोड़ी!

गौरव खन्ना बीते कई दिनों से अपनी पत्नी आकांक्षा चमोला के तलाक वाले बयान के बाद से सुर्खयों में हैं। वहीं श्रद्धा आर्या भी टीवी के जाने-माने चेहरों में से एक हैं। अब खबरें सामने आ रही हैं कि दोनों एकता कपूर के शो में नजर आ सकते हैं।

खबरों के मुताबिक, दोनों एक्टर्स एकता कपूर के अपकमिंग रोमांटिक फैमिली ड्रामा का हिस्सा बन सकते हैं।यह शो स्टार प्लस पर आने की बात कही जा रही है। फिलहाल शो को लेकर मेकर्स की तरफ से कोई आधिकारिक ऐलान नहीं किया गया है।

बताया जा रहा है कि प्रोजेक्ट अभी डेवलपमेंट और कास्टिंग स्टेज में है। अगर दोनों की कास्टिंग फाइनल होती है, तो यह पहली बार होगा जब गौरव और श्रद्धा किसी शो में साथ नजर आएंगे। टेली मसाला की रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह शो एक रोमांटिक फैमिली ड्रामा होगा। कहानी में प्यार के साथ-साथ परिवार, रिश्ते और उनके बीच आने वाली परेशानियों को दिखाया जाएगा। इस शो को एकता कपूर की प्रोडक्शन कंपनी बालाजी टेलीफिल्म्स तैयार कर रही है। फिलहाल मेकर्स शो के लिए बाकी कलाकारों की कास्टिंग पर भी काम कर रहे हैं। क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2' की जगह आएगा शो? नए शो को लेकर यह भी चर्चा है कि यह आगे चलकर 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2' का टाइम स्लॉट ले सकता है। हालांकि, इस बारे में अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि शो को अक्टूबर 2026 में स्टार प्लस पर लॉन्च करने की तैयारी है।

इस 400 साल पुराने अखाड़े में बेटियां भी लड़ाती हैं जोर, स्टेट-नेशनल स्तर पर जीते मेडल

वाराणसी। धर्म नगरी काशी की पहचान यहां के पुराने अखाड़ों से भी जुड़ी हुई है। इन अखाड़ों में अभ्यास कर कई पहलवानों ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। आज भी काशी में कई अखाड़े हैं, जहां पहलवान कुश्ती की तैयारी करते हैं। काशी में स्वामीनाथ अखाड़ा, रामपुर अखाड़ा सहित कई अखाड़े मौजूद हैं। इनमें से कुछ अखाड़े समय के साथ खत्म हो गए, लेकिन कई अखाड़े आज भी अपनी पुरानी पहचान बनाए हुए हैं। इन अखाड़ों से कल्लू पहलवान, सर्वजीत पहलवान, लक्ष्मीकांत, राणसिंह और चिक्कन पहलवान जैसे कई नाम सामने आए हैं। काशी के अलग-अलग अखाड़ों से हजारों पहलवान तैयार हुए हैं और कुश्ती की यह परंपरा आज भी जारी है।

वाराणसी के स्वामीनाथ अखाड़े का इतिहास भी काफी पुराना है। बताया जाता है कि इसकी स्थापना गोस्वामी तुलसीदास ने की थी। यह अखाड़ा 400 साल से अधिक पुराना है और यहां कई पहलवानों ने अभ्यास किया है।

समय के साथ इस अखाड़े में महिलाओं के लिए भी कुश्ती का रास्ता खुला। साल 2017 में स्वामीनाथ अखाड़े में बेटियों को भी प्रवेश दिया गया। इसके बाद यहां अभ्यास करने वाली कई महिला पहलवानों ने स्टेट और नेशनल स्तर पर मेडल जीते। इनमें खुशी यादव, आस्था, कशिश और पलक जैसी महिला पहलवान शामिल हैं। कशिश यादव ने बताया कि जब उन्होंने अखाड़े में अभ्यास शुरू किया था, तब उन्हें कई बार लोगों के ताने भी सुनने पड़े। हालांकि, उन्होंने इन बातों की परवाह किए बिना अपना अभ्यास जारी रखा। आज इस अखाड़े में महिलाएं पुरुषों के साथ कुश्ती का अभ्यास करती हैं। यहां कभी-कभी विदेशी मेहमान भी पहलवानों के साथ जोर आजमाइश करते नजर आते हैं। महिलाओं को प्रवेश देने वाला यह काशी का पहला अखाड़ा बताया जाता है।

अजब-गजब | इस सनकी की तलाशी में जो निकला उसे देखकर कांप गई रूह

मोजे में 200 छिपकलियां छुपाए एयरपोर्ट पहुंचा युवक

आपने एयरपोर्ट पर ड्रग्स, हथियार या सोना पकड़े जाने की खबरें तो खूब देखी या सूनी होंगी, लेकिन क्या आपने कभी किसी के सूटकेस से सैकड़ों जिंदा छिपकलियां निकलते देखी हैं? जापान के हानेडा एयरपोर्ट पर कुछ ऐसा ही हुआ, जब एक यात्री के सामान की तलाशी ली गई और अंदर का नजारा देखकर अधिकारी भी हैरान रह गए। 23 साल का डेनियल इसाक वेलास्को बाल्टाजार साउथ कोरिया से जापान पहुंचा। जब उसके सामन की जांच हुई। जब अधिकारियों ने सूटकेस खोला तो उसमें पाया गया कि 22 जोड़ी मोजों में छिपकलियां रखीं गई है। कुछ छिपकलियों को टी-शर्ट में लपेटकर रखा गया था। वहीं एक छिपकली मर चुकी थी। इसके बाद डेनियल के पूरे सामान की तालाशी की गई।

आगे की तालाशी में अधिकारियों को कई अलग-अलग प्रजातियों के रेपटाइल मिलें। जिसमें से 9 मैक्सिकन मगरमच्छ छिपकलियां थीं। इन्हें वृक्षीय मगरमच्छ छिपकलियां भी कहा जाता है। ये चमकीले हरे रंग की होती हैं और मैक्सिको के पहाड़ी जंगलों में पाई जाती हैं। ये छिपकलियां अब बहुत कम बची हैं, इसलिए इन्हें बचाने के लिए खास नियम बनाए गए हैं। इन्हें बिना सरकारी इजाजत के एक देश से दूसरे देश ले जाना मना है। फिलहाल सभी प्रजातियों की पहचान की जा रही है। अधिकारियों ने जब डेनियल से पूछताछ की तो उसने बताया कि मैक्सिको में इन छिपकलियों को करीब 560 से 750 येन प्रति जानवर में खरीदा था। जापान में इनकी कीमत करीब 100,000 येन तक बताई जाती है। भारतीय रुपयों के हिसाब से 335 रुपये से 450 रुपये प्रति छिपकली में खरीदा था। वहीं, जापान में इनकी कीमत करीब 60,000रुपये तक बताई जा रही है।

टोक्यो पुलिस को पहले जुलाई के आखिर में एक गुमनाम सूचना मिली थी। उन्हें बताया गया था कि एक मैक्सिकन नागरिक रेपटाइल्स की प्रदर्शनी और बिक्री के दौरान छिपकलियों की तस्करी कर सकता है। सूचना को मिलते ही हानेडा एयरपोर्ट के अधिकारियों को अलर्ट किया गया था। आरोपी के जापान पहुंचते ही उसके सूटकेस की तलाशी ली गई और पूरा मामला सामने आ गया।

वैसे तो पुलिस को मैक्सिकन मगरमच्छ छिपकलियों के अलावा भी और जीव मिलें हैं। लेकिन पुलिस इस बात का पता लगा रही है कि इन जानवरों को जापान लाने के पीछे सिर्फ एक व्यक्ति था या इसके पीछे कोई बड़ा नेटवर्क काम कर रहा था। जापान में पेट या छाती के बल चलने वाले जीव बड़े बाजारों में शामिल है। वहां पहले भी एयरपोर्ट पर सामान में छिपाकर लाए गए कछुए, सांप और दूसरे दुर्लभ जीव बरामद हो चुके हैं। अब जांच का फोकस इस बात पर है कि इन दुर्लभ सरीसृपों की तस्करी के पीछे कौन लोग हैं और इनका अंतिम ठिकाना कहां था।

बारिश ने खोली नगर निगम की पोल

पूरे शहर में जलभराव ही जलभराव, महापौर-मंत्री के दौरे बेअसर

» अब क्या पूरे नगर निगम की तनख्वाह कटेगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी में बीते दो दिनों की बारिश ने नगर निगम की तैयारियों और जलनिकासी व्यवस्था की एक बार फिर पोल खोल दी। रविवार, सोमवार और मंगलवार को हुई बारिश के बाद अलीगंज, जानकीपुरम, पुराने लखनऊ, ट्रांसपोर्ट नगर समेत शहर के कई इलाकों में जलभराव ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दीं। कई जगह हालात इतने खराब रहे कि पानी घरों तक में घुस गया। ऑफिस जाने वाले लोग, स्कूली बच्चे और राहगीर घंटों परेशान रहे। जलभराव को लेकर महापौर पहले ही अधिकारियों को चेतावनी दे चुकी हैं कि जहां भी जलभराव हुआ, वहां जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

लेकिन सवाल यह है कि चेतावनी और बयानों के बाद भी जमीनी हालात क्यों नहीं बदल रहे? क्या अधिकारियों पर महापौर के निर्देशों का कोई असर नहीं है? दूसरी ओर नगर आयुक्त लगातार बैठकें कर जलभराव, साफ-सफाई और जलनिकासी को लेकर सख्त निर्देश दे रहे हैं। इसके बावजूद जमीनी स्तर पर तस्वीर अलग नजर आ रही है। सवाल उठ रहा है कि आखिर नगर आयुक्त की बैठकों और निर्देशों का पालन कौन करा रहा है? शहर के तमाम हिस्सों में जलनिकासी के लिए पर्याप्त नालियां तक नहीं हैं। जहां नालियां बनी हैं, उनमें गंदगी और सिल्ट जमा है। सीवर और जलभराव की शिकायतों को लेकर लोग कई-कई दिनों तक विभागीय कार्यालयों के चक्कर काटने का आरोप लगा रहे हैं। ऐसे में जनता पूछ रही है कि आखिर शिकायतों के बाद कार्रवाई कहां है? अलीगंज, जानकीपुरम, पुराना लखनऊ, ट्रांसपोर्ट नगर समेत कई वार्डों में जलभराव ने नगर निगम की व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े कर दिए हैं। कई इलाकों में लोगों का घर से निकलना तक मुश्किल हो गया। जलभराव के साथ शहर के कई हिस्सों में यातायात व्यवस्था भी चरमरा गई और लोगों को घंटों जाम से जूझना पड़ा।

बारिश से पहले तैयारी नहीं, पानी भरने के बाद निरीक्षण!

सबसे बड़ा सवाल नगर निगम की कार्यशैली पर है। बारिश से पहले नालियों की सफाई, सिल्ट हटाने और जलनिकासी की व्यवस्था दुरुस्त करने के बजाय कई जगह जलभराव के बाद अधिकारी मौके पर निरीक्षण करते नजर आते हैं। नगर निगम के आरआर विभाग के चीफ इंजीनियर भी विभिन्न पंपिंग स्टेशनों का निरीक्षण करते दिखाई दे रहे हैं। लेकिन सवाल यही है कि अगर पंप और पंपिंग व्यवस्था इतनी सक्रिय है तो बारिश शुरू होते ही शहर के इतने बड़े हिस्से में पानी क्यों भर जाता है?जनता का सवाल सीधा है-बारिश से पहले अधिकारी जागेंगे कब? या हर बार जलभराव के बाद फोटो, निरीक्षण और निर्देशों का सिलसिला ही चलता रहेगा? महापौर और मंत्री सुरेश खन्ना के निरीक्षण और सख्त निर्देशों के बावजूद यदि व्यवस्था नहीं सुधर रही है तो अब सवाल सिर्फ जलभराव का नहीं, बल्कि जवाबदेही का है। आखिर जिम्मेदार कौन है और कार्रवाई कब होगी?

पार्षद भी परेशान, नहीं हो रही हैं सुनवाई

यह हाल वादर खेड़ा माननीय कल्याण सिंह वार्ड 9 की पार्षद आशा रावत के क्षेत्र का है। वहां के लोग बड़े परेशान हैं घर से निकलने में समस्या हो रही है जल भराव इतना हो गया है कि बच्चे बड़े बुजुर्गों की जान का खतरा बन चुका है कभी भी कोई घटना हो सकती है लगातार नगर निगम के संबंधित अधिकारियों को अवगत कराते आए परंतु किसी प्रकार का समाधान नहीं किया जा रहा है सिर्फ मौके पर जाकर फोटो खींचाकर के उच्च अधिकारियों को खुश करने का काम कर रहे हैं अगर क्षेत्रीय लोगों का त्वरित समाधान नहीं किया गया तो हजारों लोगों के साथ मुख्यमंत्री आवास हम लोग पहुंचेंगे कल्याण सिंह वार्ड 9 नगर निगम लखनऊ के अंतर्गत वादर खेड़ा खेड़ा में जल भराव की समस्या और इस तरह की समस्या पूरे वार्ड में है।

सालों से जिम्मेदारी, फिर भी नालियां अधूरी?

जलनिकासी व्यवस्था को लेकर जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय होने के बावजूद हालात में अपेक्षित सुधार नहीं दिख रहा। चीफ इंजीनियर सिविल महेश वर्मा के लंबे समय से पद पर रहने के बावजूद कई गलियों और सड़कों में जलनिकासी की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने का सवाल उठ रहा है। हर साल बारिश में उन्हीं इलाकों में पानी भरता है, फिर भी स्थायी समाधान क्यों नहीं निकाला गया?

जडेजा 350 टेस्ट विकेट लेने वाले बने 5वें भारतीय

» 4000 टेस्ट और 350 विकेट लेने वाले कपिल के बाद दूसरे गेंदबाज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गॉल। भारतीय टीम के अनुभवी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के दौरान 350 विकेट पूरे कर लिए। जडेजा ने इसके साथ ही टेस्ट क्रिकेट में एक विशेष कीर्तिमान हासिल किया है। जडेजा 4000 टेस्ट रन बनाने के साथ ही 350 विकेट लेने वाले भारत के दूसरे ऑलराउंडर हैं। उन्होंने इस मामले में पूर्व कप्तान कपिल देव की बराबरी कर ली है। जडेजा ने गॉल में श्रीलंका के खिलाफ खेले जा रहे पहले टेस्ट के तीसरे दिन यह उपलब्धि हासिल की। इसके साथ ही जडेजा अनिल कुंबले, रविचंद्रन अश्विन, कपिल देव और हरभजन सिंह के बाद टेस्ट में 350 विकेट लेने वाले सिर्फ पांचवें भारतीय भी बन गए हैं।

उनका 350वां शिकार तब आया जब केशरा नुवान्था ने बाहर जाती हुई गेंद पर ऑफ साइड की तरफ शॉट खेलने का प्रयास किया और शुभमन गिल ने कैच पकड़कर उनकी पारी का अंत किया। इस तरह जडेजा को उनका ऐतिहासिक विकेट मिला। इस उपलब्धि के साथ जडेजा कपिल देव की बराबरी पर आ गए हैं, जिन्होंने अपने टेस्ट करियर का अंत 5248 रन और 434 विकेट के साथ किया था। इससे पहले केवल तीन अन्य खिलाड़ी ऐसे रहे हैं जिन्होंने 4000 से अधिक टेस्ट रन और 350 से अधिक विकेट लेने का कारनामा किया है, जिनमें इयान बॉथम (5,200 रन और 383 विकेट), डेनियल विटोरी (4,531 रन, 362 विकेट) और कपिल देव शामिल हैं। जडेजा टेस्ट इतिहास में ऐसे तीसरे बाएं हाथ के स्पिनर हैं जिन्होंने लाल गेंद के प्रारूप में 350 या इससे अधिक विकेट लिए हैं। जडेजा के अलावा श्रीलंका के दिग्गज रंगना हेराथ (433) और न्यूजीलैंड के डेनियल विटोरी (362) ऐसा कर चुके हैं। इस दौरान जडेजा का स्ट्राइक रेट भी 58.1 का शानदार है, जिसमें कम से कम 125 टेस्ट विकेट लेने वाले बाएं हाथ के स्पिनरों में केवल केशव महाराज का स्ट्राइक रेट ही उनसे बेहतर है।

एशियाड में अफगान की कमान दरविश रसूली के हाथ

काबुल। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने जापान के आइची-नागोया में होने वाले आगामी 20वें एशियाई खेलों के पुरुष क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। मध्यक्रम के बल्लेबाज दरविश रसूली को टीम की कमान सौंपी गई है। चयनकर्ताओं ने टीम में अंतरराष्ट्रीय अनुभव और युवा प्रतिभा का संतुलन बनाने की कोशिश की है। एशियाई खेलों का आयोजन 17 सितंबर से तीन अक्टूबर तक होगा। क्रिकेट मुकाबले कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में खेले जाएंगे। यह मैदान इससे पहले 2026 पुरुष टी20 विश्वकप के ईस्ट एशिया-पैसिफिक उप-क्षेत्रीय क्वालिफायर की मेजबानी कर चुका है। अफगानिस्तान का एशियाई खेलों में पुरुष क्रिकेट में शानदार रिकॉर्ड रहा है। टीम ने 2010, 2014 और 2022 के एशियाई खेलों में रजत पदक जीता था। अब उसकी नजर पहली बार स्वर्ण पदक जीतने पर होगी। आगामी एशियाई खेल क्रिकेट की महाद्वीपीय प्रतियोगिता में इस खेल की चौथी उपस्थिति होगी। पुरुष और महिला दोनों वर्गों में कुल 10 टीमें हिस्सा लेंगी। भारत मौजूदा पुरुष और महिला दोनों वर्गों का गत चैंपियन है।

ये तो गजब के दिमागी हैं : ओवैसी

» एक वीडियो पोस्ट कर भाजपा सरकार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी ने 15 अगस्त को लाल किले से दिमागी नक्सलियों से निपटने की बात पर विपक्षी दलों का पलटवार जारी है। कांग्रेस नेता पी चिदंबरम और आम आदमी पार्टी संयोजक अरविंद केजरीवाल के बाद एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी भी तंज कसा है। मध्य प्रदेश के उज्जैन में पवित्र महाकाल मंदिर में एक फुट ओवर ब्रिज बना है।

इसके लोड टेस्ट करने के लिए सैकड़ों सिक्योरिटी गार्ड को इसपर एकसाथ कूदने के लिए कहा गया था और हैदराबाद के सांसद ने दिमागी नक्सल पर अपनी प्रतिक्रिया देने के लिए इसी लोड टेस्ट को अपना हथियार बनाया है। दरअसल, फुट ओवरब्रिज पर 300 गार्ड के एकसाथ कूदने वाला करीब 10 मिनट का यह वीडियो खूब वायरल है। इसी वीडियो पर एक सोशल मीडिया पोस्ट पर ओवैसी ने अपनी प्रतिक्रिया में लिखा है-। ये तो गजब के...दिमागी हैं। असदुद्दीन ओवैसी ने जिस तरह से दिमागी शब्द का इस्तेमाल किया है, उससे जाहिर है कि उनका निशाना कहां है। इससे पहले दिमागी नक्सल पर पीएम मोदी की टिप्पणी को लेकर कांग्रेस नेता पी चिदंबरम और आप नेता अरविंद केजरीवाल जोरदार पलटवार कर चुके हैं।

दिमागी नक्सल जनता पार्टी नाम से सोशल मीडिया पर नया अकाउंट

दिमागी नक्सल जनता पार्टी नाम का एक नया अकाउंट सामने आया है। एक्स पर इस अकाउंट मौजूदा वक्त में 15 से ज्यादा अकाउंट्स को फॉलो कर रहा है, जिनमें कांग्रेस नेता राहुल गांधी, समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव, आप नेता अरविंद केजरीवाल, यूट्यूबर ध्रुव राठी, कॉमेडियन कुणाल कामरा, एक्टर प्रकाश राज के साथ सोशल मीडिया पर चर्चित कई नाम शामिल हैं। दिमागी नक्सल पार्टी के अलग-अलग सोशल साइट्स पर बने पेज तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। इसे लॉन्च होने के एक दिन के अंदर ही 50 हजार से ज्यादा फॉलोअर्स मिल गए।

पता ही नहीं चलता गड्ढा है या सड़क

» क्लार्क अवध से लेकर डालीगंज पुल की ओर जाने वाला मार्ग जर्जर हालत में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। क्लार्क अवध से लेकर डालीगंज पुल की ओर जाने वाली सड़क जर्जर हालत में पहुंच गई है। बता दें शहीद स्मारक-रेजीडेंसी पार्क रोड पर बीते दिनों जल निगम द्वारा ट्रंक लाइन की साफ़ सफाई और चालू करने का कार्य हुआ था। जिसके बाद जगह जगह पाइप लाइन डाली गई थी। उन इलाकों में सड़कों में गड्ढे आज भी वैसे ही हैं।

वहीं रेजीडेंसी रोड पर लोक निर्माण विभाग द्वारा बनाई गई सड़क को जगह-जगह बैठ जा रही है। सड़क धंसने की खबरें लगातार सामने आ रही है। हालांकि रातों रात गिट्टी बालू डालकर बुलडोजर से पटवा दिया गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि काम इतनी तेजी किया रहा है की काम की गुणवत्ता का कतई ध्यान नहीं रखा जा रहा है।

वरिष्ठ साहित्यकार राजेश अरोरा 'शलभ' को मिलेगा विश्ववाणी साहित्य रत्न' सम्मान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। देश-विदेश में अपनी साहित्यिक रचनाओं के माध्यम से पहचान बना चुके तथा उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 'साहित्य भूषण' सम्मान से अलंकृत राजधानी के वरिष्ठ साहित्यकार राजेश अरोरा 'शलभ' को उनके शिष्ट-शालीन हास्य एवं व्यंग्य लेखन के लिए 'विश्ववाणी साहित्य रत्न' की उपाधि से नवाजा जाएगा। (यह सम्मान विश्ववाणी हिंदी संस्थान, भोपाल इकाई (मध्य प्रदेश) द्वारा प्रदान किया जाएगा। सम्मान समारोह 20 अगस्त 26 को भोपाल के 'दुष्यंत कुमार पांडुलिपि संग्रहालय' सभागार, शिवाजी नगर में आयोजित होगा।

इस सम्मान के लिए राजेश अरोरा 'शलभ' की हास्य-व्यंग्य विधा की पांच पुस्तकों को प्रविष्टि के रूप में प्रस्तुत किया गया था। इनमें 'राग सरकारी' (17), 'फुर्सत नहीं है' (18), 'कार-नामा', 'कहीं धूप, कहीं छाँह' और 'चुनाव-चक्रम' शामिल हैं। इनमें से अंतिम तीन पुस्तकों की रचना कोविड काल (20-21) के दौरान की गई थी। विश्ववाणी हिंदी संस्थान की चयन समिति ने अखिल भारतीय स्तर पर प्राप्त पुस्तकों का मूल्यांकन करने के बाद राजेश अरोरा 'शलभ' की इन पांचों कृतियों को शिष्ट-शालीन हास्य-व्यंग्य लेखन की दृष्टि से उत्कृष्ट पाते हुए उन्हें इस प्रतिष्ठित सम्मान के लिए चयनित किया है।

केरलम में ईडी की 8 जगहों पर फिर छापेमारी

» सीएमआरएल मामले में कार्रवाई तेज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने मंगलवार को केरल में आठ ठिकानों पर धनशोधन निवारण अधिनियम के तहत नए सिरे से तलाशी अभियान चलाया। यह कार्रवाई कोचीन मिनरल्स एंड रूटाइल लिमिटेड-सीएमआरएल द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री पिनराई विजयन की बेटी वीना की बंद हो चुकी कंपनी एक्सलॉजिक सॉल्यूशंस को 2.78 करोड़ रुपये के भुगतान के आरोपों से संबंधित है। इससे पहले केंद्रीय एजेंसी ने जून में भी इस मामले में वीना से पूछताछ की थी।

ईडी ने केरल में कई जगहों पर नए सिरे से तलाशी ली। यह कार्रवाई सीएमआरएल मामले से जुड़ी धनशोधन जांच के तहत की गई, जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री पिनराई विजयन की बेटी वीना से पूछताछ की गई थी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत राज्य में आठ जगहों पर कार्रवाई की जा रही है।

सिटी मॉल ओशिवारा प्रबंधन व पीवीआर की अंधेरगर्दी!

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। सिटी मॉल ओशिवारा प्रबंधन व पीवीआर की मनमानी के चलते वहां के आस-पास के कार्यालय के लोग परेशान है। भुक्तभोगियों ने इसकी शिकायत उच्चाधिकारियों को भी की है पर कोई सुनवाई अभी तक नहीं हुई है।

बता दें सिटी मॉल ओशिवारा के ऑफिस के सामने मिर्जापुर मूवी के पोस्टर खिड़कियों से सामने लगा दिए गये हैं। इसकी वजह से उसके पास के सारे ऑफ़िसों की प्राकृतिक रोशनी बंद हो गयी है। जब लोगों ने मॉल प्रबंधन से इसको हटाने के लिए कहा तो प्रबंध तंत्र इन पोस्टरों को हटाने को तैयार नहीं है सूत्रों से पता चला है कि इन पोस्टरों व प्रचार के लिए बहुत पैसा मिला है इसलिए वे इसने नहीं हटा रहे है। पर उनकी इस अंधेरगर्दी का शिकार वहां के लोग हो रहे हैं। मॉल और पीवीआर प्रबंधन की ओर से तो गुंडागर्दी जारी है।

लोगों ने सीएम से की गुहार

» पोस्टर लगाकर रोकी प्राकृतिक रोशनी

लोगों ने महाराष्ट्र के सीएम देवेन्द्र फणनवीस तत्काल इन पोस्टरों को हटाने के आदेश दे ने की अपी ल की है। उधर पीड़ित लोगों का दावा है कि कुछ भी हो जाए बीएमसी कोई कार्रवाई नहीं करेगी क्योंकि प्रचार कंपनी बहुत उन्हें उपकृत करती है।

सुप्रीम कटघरे में दिल्ली व बिहार पुलिस

» शीर्ष अदालत में पेश किया गया हलफनामा

» सुप्रीम कोर्ट की तरफ से गठित स्वतंत्र जांच समिति से पूरा सहयोग करने का आश्वासन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। छात्रों के प्रदर्शन के दौरान जरूरत से ज्यादा ताकत के इस्तेमाल के आरोप पर दिल्ली और बिहार पुलिस ने सुप्रीम कोर्ट में अपना पक्ष रखा है। दोनों राज्यों की पुलिस आरोपों को गलत बताया है। उन्होंने पूरी घटना की जानकारी दी है। दोनों राज्यों ने यह भरोसा भी दिया है कि वह सुप्रीम कोर्ट की तरफ से गठित किसी भी स्वतंत्र जांच समिति से पूरा सहयोग करेंगे। दिल्ली पुलिस ने कहा है कि 20 जुलाई के प्रदर्शन में संसद तक मार्च निकालने की कोई इजाजत नहीं दी गई थी।

छात्रों के प्रदर्शन के दौरान जरूरत से ज्यादा ताकत के इस्तेमाल पर फटकार

प्रदर्शन के दौरान एके-47 से हवा में हुई थी 4 राउंड फायरिंग, बिहार सरकार ने माना

बिहार में छात्र प्रदर्शनों के दौरान पुलिस द्वारा अनुचित और अत्यधिक बल प्रयोग किए जाने के आरोपों पर राज्य सरकार ने उच्चतम न्यायालय में अपना जवाबी हलफनामा दाखिल किया हराज्य सरकार ने पुलिस बर्बरता के दावों को खारिज करते हुए कहा है कि प्रदर्शनकारियों को नियंत्रित करने के दौरान किसी भी तरह की अत्यधिक या असंगत ताकत का इस्तेमाल नहीं किया गया। हलफनामे में सिवान की घटना का जिक्र करते हुए बिहार सरकार ने स्पष्ट किया कि प्रदर्शन के दौरान भीड़ में घिरे एक पुलिस कॉन्स्टेबल ने बचाव में अपने एके -47 हथियार से हवा में 4 चक्र गोलियां चलाई थीं। सरकार ने अदालत को बताया कि एके -47 की गोलियों से कोई भी व्यक्ति या प्रदर्शनकारी घायल नहीं हुआ है। हालांकि, कानून-व्यवस्था जैसी स्थिति में इस प्रकार के असॉल्ट हथियार के अनधिकृत उपयोग को अनुचित आचरण मानते हुए संबंधित सिपाही को निलंबित कर दिया गया है और उसके खिलाफ विभागीय जांच शुरू कर दी गई है।

लगभग 30 हजार की भीड़ को संभालने के लिए करीब 5 हज़ार पुलिसकर्मी तैनात थे। जब भीड़ ने जबरन बैरिकेड तोड़े और हालात हाथ से निकलने लगे, तब कानून के दायरे में रहकर हल्का बल प्रयोग किया गया। हलफनामे में बताया गया है कि इस झड़प में करीब 240 पुलिसकर्मी घायल हुए। 200 के आसपास सामान्य लोग भी चोटिल हुए। छात्रों के बीच उपद्रवी और असामाजिक तत्व घुस आए थे। उन्होंने स्थिति को बिगाड़ा। फेशियल रिकग्निशन जैसी आधुनिक तकनीक का सीमित इस्तेमाल इस तरह के आपराधिक तत्वों की पहचान के लिए किया है। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि वह दिल्ली में प्रदर्शन करने वाले छात्रों के खिलाफ पुलिस की ज्यादती के आरोपों की जांच के लिए एक उच्च स्तरीय समिति बनाएगा। शीर्ष कोर्ट ने कहा कि दिल्ली में संसद मार्च के दौरान बनाए गए वीडियो फुटेज को उच्च स्तरीय समिति को सौंपने का निर्देश दिया जाएगा।

कील लगी लाठी के मामले पर दिल्ली पुलिस की सफाई

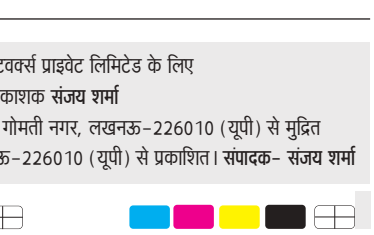

दिल्ली पुलिस ने कील लगी लाठी के वीडियो पर भी सफाई दी है। पुलिस ने साफ किया है कि वह डंडा पुलिस का नहीं, बल्कि एक प्रदर्शनकारी का था। उस डंडे पर राष्ट्रीय ध्वज लगा था। सादे कपड़ों में पुलिस की मौजूदगी का बचाव करते हुए हलफनामे में बताया गया है कि असामाजिक तत्वों पर नजर रखने के लिए ही सादे कपड़ों में पुलिसकर्मी तैनात किए गए थे।

दिल्ली में सफाई कर्मचारी की हत्या पर बवाल

» आप ने भाजपा सरकार पर उठाए सवाल

» विधायक कुलदीप कुमार को पुलिस ने लिया हिरासत में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली में एक सफाई कर्मचारी की हत्या के बाद हिंसक विरोध-प्रदर्शन हुए, जिसके चलते भारी पुलिस बल तैनात किया गया। इस घटना के बाद राजनीतिक बवाल मच गया है। आप ने दावा किया कि उनके स्थानीय विधायक कुलदीप कुमार को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है, जिससे दिल्ली की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। पूर्वी दिल्ली के कल्याणपुरी में एक सफाई कर्मचारी की चाकू मारकर हत्या किए जाने के बाद हुए बड़े पैमाने पर विरोध-प्रदर्शनों के मद्देनजर, खिचड़ीपुर बस स्टैंड के पास दिल्ली पुलिस और अर्धसैनिक बलों के भारी सुरक्षा बल तैनात किए गए। इस घटना के बाद स्थानीय सफाई कर्मचारियों ने प्रदर्शन किए और न्याय, दोषियों की तुरंत गिरफ्तारी तथा पीड़ित परिवार के लिए उचित मुआवजे की मांग की।

मामला तब राजनीतिक टकराव में बदल गया जब आम आदमी पार्टी (आप) के नेताओं ने आरोप लगाया कि स्थानीय विधायक कुलदीप कुमार को पुलिस ने तब हिरासत में ले लिया, जब वे पीड़ित परिवार का पक्ष रख रहे थे। आप विधायक संजीव झा ने राजधानी में कानून-व्यवस्था की स्थिति की आलोचना की और कहा कि खुलेआम हत्याएं हो रही हैं, फिर भी पुलिस कुछ नहीं करती, जबकि जो लोग आवाज़ उठाते हैं, उन्हें हिरासत में ले लिया जाता है? दिल्ली देश की राजधानी है... जब तक हमें कुलदीप कुमार के बारे में पता नहीं चल जाता, हम यहां से नहीं हटेंगे। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि हिरासत में लिए जाने के बाद अधिकारी विधायक के ठिकाने के बारे में जानकारी क्यों नहीं दे रहे हैं। झा ने आगे कहा कि हमारे विधायक कुलदीप कुमार एक सफाई कर्मचारी की हत्या के बारे में बात कर रहे थे, तभी पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। पुलिस यह नहीं बता रही है कि कुलदीप कुमार कहाँ हैं। वे क्या छिपा रहे हैं?

मोदी जी, हमारे विधायक कुलदीप कहां हैं : केजरीवाल

आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना की। यह आलोचना उन आरोपों के जवाब में की गई कि पुलिस कुलदीप कुमार को सुबह-सुबह उनके घर से ले गई थी। केजरीवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी, हमारे विधायक कुलदीप कुमार कहां हैं? आज सुबह 4 बजे आपकी दिल्ली पुलिस कुलदीप कुमार को उनके घर से उठा ले गई, कैमरे तोड़ दिए और डीवीआर भी साथ ले गई। आपकी पुलिस हमें कुछ नहीं बता रही है। अगर पुलिस बिना किसी जानकारी या वजह के किसी विधायक को उनके घर से इस तरह उठा सकती है, तो इस देश का आम आदमी मदद के लिए कहां जाएगा? यह देश आपकी ऐसी गुंडागर्दी बर्दाश्त नहीं करेगा।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी की एसआईटी रिपोर्ट में चंपत राय का नाम नहीं

» अनिल मिश्रा की भूमिका पर संशय बरकरार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अयोध्या। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में एसआईटी ने अंतिम रिपोर्ट सरकार को सौंप दी, जिसमें चंपत राय का नाम नहीं है। रिपोर्ट में अनिल मिश्रा का नाम है। बता दें कि यह रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप से पहले बनी एसआईटी की रिपोर्ट है। पहली एसआईटी का गठन 13 जून को किया गया था। 6 जुलाई को पहली टीम ने अंतरिम रिपोर्ट सौंपी थी, ये वही रिपोर्ट है।

प्रदेश सरकार ने श्रीराम जन्म भूमि ट्रस्ट के अनुरोध पर लखनऊ के मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय एसआईटी गठित की थी। जिसमें लखनऊ के आइजी रेंज किरण एस. तथा विशेष सचिव (वित्त) नील रतन कुमार को सदस्य बनाया गया था। सोमवार को सरकार की ओर से बताया गया कि विजय विश्वास पंत के नेतृत्व वाली एसआईटी की जांच रिपोर्ट श्रीराम जन्म भूमि ट्रस्ट को सौंप दी गई है। उसकी प्रारंभिक रिपोर्ट में की गई संस्तुतियों पर ही एफआईआर समेत अन्य कार्रवाई हुई है। रिपोर्ट में चंपत राय का नाम नहीं है।

8 नामजद को बनाया गया था आरोपी

इस विशेष जांच दल ने 23 जून को अपर मुख्य सचिव गृह विभाग संजय प्रसाद को प्रारंभिक रिपोर्ट सौंपी और आगे की जांच के लिए सात दिन का समय मांगा था। शासन ने सात दिन का समय बढ़ा दिया था। साथ ही, प्रारंभिक रिपोर्ट के आधार पर 25 जून को अयोध्या में एफआईआर दर्ज हो गयी, जिसमें 8 नामजद व अन्य अज्ञात को आरोपी बनाया गया था। ये सभी आरोपी अभी जेल में बंद हैं।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क, 2-डी सिटी मॉल, अंधेरी वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400053। विधि सलाहकार: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा